CNews सिटी चीफ

वर्ष–15, अंक–31
पृष्ठ–8 मूल्य 2 रूपया

आज का विचार

आपके शरीर की सबसे सुंदर चीज है मन, इसे बुरे विचारों से मैला ना करें

CITYCHIEFSENDMENEWS@GMAIL.COM

सिटी चीफ

सम्पूर्ण भारत मे चर्चित हिन्दी अखबार

इंदौर, गुरुवार, 09 मई 2024

सिंगल कॉलम

फिर महंगी हुई शाकाहारी थाली, चिकन की कीमत गिरने से नॉन वेज सस्ता

मुंबई। प्याज और टमाटर की बढ़ती कीमतों के चलते अप्रैल में शाकाहारी थाली आठ प्रतिशत महंगी हो गई। क्रिसिल मार्केट इंटेलिजेंस एंड एनालिसिस की मासिक रोटी–चावल दर रिपोर्ट के अनुसार, ब्रायलर की कीमत में गिरावट ने मांसाहारी भोजन की लागत में कमी लाने में योगदान दिया है। शाकाहारी थाली (इसमें रोटी, सब्जियां (प्याज, टमाटर और आलू), चावल, दाल, दही और सलाद शामिल है) की अप्रैल में कीमत बढ़कर 27.40 रुपये प्रति प्लेट हो गई जबकि पिछले साल की समान अवधि में इस थाली की कीमत 25.4 रुपये थी। महीने–दर–महीने से तुलना करें तो मार्च, 2024 में शाकाहारी थाली की कीमत 27.30 रुपये रुपये थी। शाकाहारी थाली की कीमत में कुल बढ़ोतरी के लिए प्याज में 41 प्रतिशत, टमाटर में 40 प्रतिशत, आलू में 38 प्रतिशत, चावल में 14 प्रतिशत और दालों में 20 प्रतिशत की बढ़ोतरी को प्रमुख वजह माना गया है। रिपोर्ट में यह भी कहा गया है कि जीरा, मिर्च, और वनस्पति तेल की कीमतों में क्रमशः 40 प्रतिशत, 31 प्रतिशत और 10 प्रतिशत की गिरावट आई, जिससे थाली की कुल लागत में और बढ़ोतरी नहीं हुई। मांसाहारी थाली की कीमत अप्रैल में घटकर 56.3 रुपये हो गई, जबकि एक साल पहले की अवधि में यह 58.9 रुपये थी। हालांकि मार्च की तुलना में अप्रैल में मांसाहारी थाली की कीमत ज्यादा है। मार्च में मांसाहारी थाली की कीमत 54.9 रुपये थी। बता दें कि मांसाहारी थाली में शाकाहारी थाली की तरह सभी चीजें शामिल होती हैं, लेकिन इसमें दाल की जगह चिकन होता है। रिपोर्ट में कहा गया है कि ब्रायलर की कीमत में 12 प्रतिशत की गिरावट के चलते मांसाहारी थाली सस्ती हुई है। मांसाहारी थाली के कुल मूल्य में 50 प्रतिशत भार चिकन का होता है। मार्च की तुलना में ब्रायलर की कीमत में चार प्रतिशत की वृद्धि के चलते मांसाहारी थाली की कीमत में तीन प्रतिशत की वृद्धि हुई।

केजरीवाल की अंतरिम जमानत पर कल फैसला दे सकती है सुप्रीम कोर्ट

नई दिल्ली। दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल की अंतरिम जमानत याचिका पर सुप्रीम कोर्ट शुक्रवार को फैसला दे सकती है। मंगलवार को सुप्रीम कोर्ट की बेंच अंतरिम जमानत की तारीख तय किए बिना उठ गई थी। कोर्ट के इस फैसले से साफ हो जाएगा कि केजरीवाल लोकसभा चुनाव प्रचार कर सकेंगे या नहीं। जस्टिस संजीव खन्ना ने जस्टसि दीपांकर दत्ता के साथ मिलकर प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) द्वारा उनकी गिरफ्तारी और रिमांड को चुनौती देने वाली केजरीवाल की याचिका पर मंगलवार को सुनवाई की थी। सुप्रीम कोर्ट में बुधवार को जस्टसि संजीव खन्ना ने किसी अन्य मामले की सुनवाई कर रहे थे। कोर्ट रूम में जब जस्टसि संजीव खन्ना को ईडी के वकील एसवी राजू दिखाई दिए तो उन्होंने उन्हें बुलाया। जस्टिस खन्ना ने कहा कि हम केजरीवाल की अंतरमि जमानत याचकिा पर शुक्रवार को फैसला दे सकते हैं। केजरीवाल के खिलाफ ईडी की मनी लॉन्ड्रिंग मामले की जांच दिल्ली के उपराज्यपाल वीके सक्सेना की शिकायत पर 2022 में केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) द्वारा दर्ज मामले के बाद शुरू हुई थी। आरोप है कि केजरीवाल, पूर्व उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया और अन्य सहित आप नेताओं द्वारा कुछ शराब विक्रेताओं को लाभ पहुंचाने के लिए 2021–22 की दिल्ली आबकारी नीति में खामियां पैदा करने की आपराधिक साजिश रची गई थी। केजरीवाल को 21 मार्च को ईडी ने गिरफ्तार किया था और फिलहाल वे तिहाड़ जेल में बंद हैं। ईडी ने पहले कहा था कि केजरीवाल के साथ किसी अन्य अपराधी से सिर्फ इसलिए अलग व्यवहार नहीं किया जा सकता क्योंकि वे एक राजनेता हैं।

गुजरात में बीजेपी नेता के बेटे ने बूथ कैप्चर किया, लाइव स्ट्रीमिंग भी की

अहमदाबाद। लोकसभा चुनाव के तीसरी फेज की वोटिंग के दौरान गुजरात में भाजपा नेता के बेटे ने बूथ कैप्चरिंग की। इसे सोशल मीडिया पर लाइव किया। यह मामला महीसागर जिले के दाहोद लोकसभा सीट का है। वीडियो में आरोपी विजय भाभोर अपने साथियों से यह कहता नजर आता है कि ईवीएम तो अपने बाप की है। बुधवार सुबह दाहोद लोकसभा सीट से कांग्रेस प्रत्याशी डॉ. प्रभाबेन तावियाड ने केस दर्ज कराया। चुनाव आयोग ने जिलाधिकारी से रिपोर्ट मांगी है। अब तक 2 लोगों को हिरासत में लिया गया है। मुख्य आरोपी विजय फरार है। विजय ने बूथ कैप्चरिंग को सोशल मीडिया पर 4.27 मिनट से ज्यादा लाइव किया। इस दौरान वह अपने साथियों से बात करता नजर आ रहा है। आरोप है कि उसने चुनाव कर्मचारियों के साथ बदतमीजी भी की। आरोपी के पिता दाहोद तालुका के प्रमुख रह चुके हैं। यह भी दावा किया गया है कि विजय ने लाइव स्ट्रीमिंग के दौरान ईवीएम अपने साथ ले जाने की भी बात कही थी। एफआईआर होने के बाद विजय ने वीडियो डिलीट कर दिया, लेकिन तब तक लोग इस बूथ कैप्चरिंग की घटना को देख चुके थे। कईयों ने इसके स्क्रीन शॉट भी शेयर किए।

नवनीत राणा के बयान पर असदुद्दीन ओवैसी की प्रतिक्रिया

‘15 सेकंड नहीं, 1 घंटा ले लीजिए’

हैदराबाद। हैदराबाद में माधवी लता के पक्ष में प्रचार करने पहुंचीं महाराष्ट्र की अमरावती सीट से भाजपा सांसद और प्रत्याशी नवनीत राणा का वीडियो सामने आया है। नवनीत राणा ने असदुद्दीन ओवैसी के छोटे भाई अकबरुद्दीन के उस बयान का जिक्र किया, जिसमें उन्होंने कहा था कि 15 मिनट के लिए पुलिस हटा ली जाए, तो हम बता देंगे इस पर अब नवनीत राणा ने कहा कि छोटे (अकबरुद्दीन ओवैसी) 15 मिनट नहीं, 15 सेकंड काफी है। पता नहीं चलेगा कि कहां से आया और कहा गया। छोटे भाई कहते हैं, पुलिस को 15 मिनट हटा दो, तो हम दिखाएंगे कि हम क्या कर सकते हैं। मैं उनसे कहना चाहती हूं, आपको 15 मिनट लगे, हमें सिर्फ 15 सेकंड लगेंगे। अगर आप 15 सेकंड के लिए पुलिस को हटा देंगे, तो आप समझ नहीं पाएंगे कि कहां से आया और कहां को गया। – नवनीत राणा, हैदराबाद की सभा में नवनीत रवि राणा के 15 सेकंड लगेंगे वाले बयान पर कांग्रेस नेता पृथ्वीराज चव्हाण ने प्रतिक्रिया दी। उन्होंने कहा, पीएम मोदी और अमित शाह समाज में नफरत फैला रहे हैं, तो स्वाभाविक है कि उनके कार्यकर्ता और उम्मीदवार भी ऐसा ही करेंगे। अकबरुद्दीन ओवैसी ने जो कहा है, वो गलत है और नवनीत राणा ने जो कहा है, वो भी बेहद शर्मनाक है। ये सभी पीएम मोदी के इशारे पर देश में नफरत फैलाने का काम कर रहे हैं। मोदी ये चुनाव बुरी तरह हार रहे हैं। चुनाव आयोग से अनुरोध है कि दोनों बयानों की जांच होनी चाहिए और उनके खिलाफ कार्रवाई की जानी चाहिए।

काली-गोरी चमड़ी का मुद्दा: सैम पित्रोदा के बयान से मचा बवाल, कांग्रेस ने किया किनारा, बीजेपी बोली- असलियत आई सामने, बाद में सैम का इस्तीफा कांग्रेस ने तुरंत किया मंजूर

‘जुबान की बीमारी’ अच्छी नहीं होती अंकल सैम

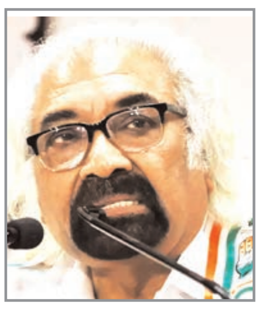

नई दिल्ली। सैम पित्रोदा ने बुधवार को ओवरसीज कांग्रेस अध्यक्ष पद से इस्तीफा दे दिया। यह कदम उन्होंने ऐसे समय में उठाया, जबकि उनकी एक टिप्पणी को लेकर देशभर में विवाद खड़ा हो गया। सैम ने कहा था कि पूर्व के लोग चीनी और दक्षिण भारतीय अफ्रीकी नागरिकों जैसे दिखते हैं। कांग्रेस ने हालांकि पित्रोदा की टिप्पणियों से खुद को अलग करते हुए इसे दुर्भाग्यपूर्ण और अस्वीकार्य बताया। पार्टी ने कहा कि वह इन टिप्पणियों से खुद को पूरी तरह से अलग करती है। दूसरी ओर भाजपा ने पित्रोदा की नस्ली टिप्पणियों को लेकर उन पर निशाना साधा और दावा किया कि इससे विपक्षी दल की विभाजनकारी राजनीति बेनकाब हो गई है। दरअसल इंडियन ओवरसीज कांग्रेस के प्रमुख पित्रोदा ने एक पॉडकास्ट में कहा था कि हम 75 साल से बहुत सुखद माहौल में रह रहे हैं, जहां कुछ लड़ाइयों को छोड़ दें तो लोग साथ रह सकते हैं। पित्रोदा ने सोशल मीडिया पर व्यापक रूप से प्रसारित इस साक्षात्कार में कहा, हम भारत जैसे विविधता से भरे देश को एकजुट रख सकते हैं। जहां पूर्व के लोग चीनी जैसे लगते हैं, पश्चिम के लोग अरब जैसे दिखते हैं, उत्तर के लोग गोरे और दक्षिण भारतीय अफ्रीकी जैसे लगते हैं। उन्होंने कहा, इससे कोई फर्क नहीं पड़ता, हम सभी बहन–भाई हैं। भारत में अलग–अलग क्षेत्र के लोगों के रीति–रिवाज, खान–पान, धर्म, भाषा अलग–अलग हैं, लेकिन भारत के लोग एक–दूसरे का सम्मान करते हैं। कांग्रेस पार्टी के नेता सैम पित्रोदा का बयान, अब एक बार फिर से पार्टी के गले की फांस बन गया है।

देश बन गया आत्मनिर्भर

अब विदेशों से हथियार नहीं मंगाएगी भारतीय सेना

नई दिल्ली। सेना अगले वित्त वर्ष से गोला–बारूद का आयात पूरी तरह बंद करने का लक्ष्य लेकर चल रही है। ऐसा इसलिए क्योंकि घरेलू उद्योगों ने सभी मांगों को पूरा करने के लिए अपनी क्षमता बढ़ा ली है। वो वैश्विक बाजार का एक बड़ा हिस्सा हासिल करने के लिए भी तैयार है। इस बात की जानकारी वरिष्ठ खरीद अधिकारी ने दी है। सेना, जो कुछ साल पहले तक सालाना जरूरतों को पूरा करने के लिए एक्सपोर्ट पर बहुत अधिक निर्भर थी। अब उन्होंने अपने इस्तेमाल किए जाने वाले 175 प्रकार के गोला–बारूद में से करीब 150 के लिए स्वदेशी सोर्स ढूंढ लिए हैं। इस कदम के पीछे अहम लक्ष्य यही है कि 2025–26 तक हथियारों के एक्सपोर्ट को पूरी तरह से बंद करना है। भारतीय सेना के एडीजी (खरीद) मेजर जनरल वीके शर्मा ने कहा, अगले वित्त वर्ष में हम गोला–बारूद का कोई आयात नहीं करेंगे। सिवाय उन मामलों के जहां मात्रा बहुत कम है और उद्योग के लिए उनका निर्माण करना किफायती नहीं है। पीएचडी चैंबर की ओर से गोला–बारूद उत्पादन पर आयोजित एक सेमिनार में बोल रहे सेना के अधिकारी ने बताया कि आर्मी वर्तमान में सालाना 6000–8000 करोड़ रुपये का गोला–बारूद खरीद रही है। अब इनकी आपूर्ति भारतीय सोर्स से आएगा।

स्वदेश में ऐसे होगी हथियारों की आपूर्ति: सेना के अधिकारी ने कहा कि निगेटिव लिस्ट के जरिए गोला–बारूद के आयात पर धीरे–धीरे अंकुश लगाया जाएगा। इसके साथ ही अब विदेशी आपूर्तिकर्ताओं से केवल 5 से 10 फीसदी आवश्यकताएं पूरी की जा रही हैं। ऑर्डनेंस फैक्ट्री के अलावा, पिछले कुछ वर्षों में कई प्राइवेट सेक्टर की कंपनियों भी इस क्षेत्र में प्रवेश कर चुकी हैं। इन्हें अब निगमीकृत किया गया है। इनके जरिए देश के विभिन्न हिस्सों में नए गोला–बारूद के प्लांट आ रहे हैं।

भारतीय कंपनियों का वैश्विक स्तर पर भी बढ़ेगा असर: सेना का मानना है कि आगामी क्षमता को देखते हुए, भारतीय कंपनियां अंतर्राष्ट्रीय बाजार में भी एक मेजर प्लेयर बन सकती हैं। मेजर जनरल शर्मा ने कहा कि जहां तक दुनिया की डिमांड का सवाल है, 30 बिलियन डॉलर से अधिक का बाजार उपलब्ध है। वर्तमान में भारतीय स्त्रोतों से 1 फीसदी भी नहीं आ रहा है। हमारे पास अगले 4–5 वर्षों में ये 5 से 10 फीसदी और शायद भविष्य में 25–30 फीसदी तक आने की क्षमता है।

हाईकोर्ट ने की सख्त टिप्पणी

भारतीय संस्कृति के लिए लिव इन रिलेशनशिप एक कलंक

बिलासपुर। लिव–इन रिलेशनशिप पाश्चात्य सभ्यता है और भारतीय सिद्धांतों की अपेक्षाओं के विपरीत है। छत्तीसगढ़ हाईकोर्ट ने बच्चे की कस्टडी से जुड़े हुए एक मामले को खारिज करते हुए यह टिप्पणी की। साथ ही कोर्ट ने लिव–इन रिलेशनशिप को एक कलंक बताया है। न्यायमूर्ति गौतम भादुड़ी और न्यायमूर्ति संजय एस अग्रवाल की खंडपीठ ने कहा कि समाज के कुछ संप्रदायों में अपनाया जाने वाला लिव–इन रिलेशनशिप अभी भी भारतीय संस्कृति में एक कलंक है, क्योंकि यह भारतीय सिद्धांत की अपेक्षाओं के विपरीत एक पाश्चात्य सभ्यता है। खंडपीठ ने 36 वर्षीय महिला के साथ लिव–इन रिलेशनशिप में पैदा हुए बच्चे की कस्टडी की मांग करने वाले याचिकाकर्ता की अपील को खारिज कर दिया। दंतेवाड़ा जिले के अब्दुल हमीद सिद्दीकी ने अपनी याचिका में कहा कि वह एक अलग धर्म की महिला के साथ लिव–इन रिलेशनशिप में था और उसने एक बच्चे को जन्म दिया। याचिकाकर्ता ने कहा, पिछले साल दिसंबर में दंतेवाड़ा की एक अदालत ने बच्चे की कस्टडी से जुड़ी उनकी याचिका को खारिज कर दिया था, जिसके बाद उन्होंने बिलासपुर जिले में स्थित हाईकोर्ट का दरवाजा खटखटाया। हाईकोर्ट के आदेशानुसार, अब्दुल हमीद सिद्दीकी ने अपनी याचिका में कहा कि वह 2021 में मतांतरण के बिना शादी से पहले तीन साल तक महिला के साथ लिव–इन रिलेशनशिप में था। बकौल याचिका, 31 अगस्त, 2021 को उनके रिश्ते से एक बच्चे का जन्म हुआ और 10 अगस्त, 2023 को महिला और बच्चा गायब हो गए। उसी साल उन्होंने हेबस कॉर्पस पिटीशन दाखिल कर महिला को हाई कोर्ट के समक्ष पेश किए जाने की मांग की। महिला ने हाई कोर्ट को बताया था कि वह अपनी इच्छानुसार, अपने माता–पिता के साथ रह रही है। बाद में दंतेवाड़ा परिवार अदालत की ओर से बच्चे की कस्टडी नहीं दिए जाने के बाद अब्दुल हमीद सिद्दीकी ने हाईकोर्ट का रुख किया था।

भाजपा प्रदेश प्रवक्ता गोविंद मालू का निधन

सीएम मोहन यादव ने इंदौर पहुंचकर किए अंतिम दर्शन

भाजपा प्रदेश प्रवक्ता गोविंद मालू का बुधवार रात आकस्मिक निधन हो गया। जिनकी अंतिम यात्रा आज सुबह 10:30 बजे निज निवास 175–179 ग्रेटर बृजेश्वरी कॉलोनी पिपलियाहाना से रीजनल पार्क मुक्तिधाम जाएगी। बता दें कि गोविंद मालू खनिज विकास निगम के उपाध्यक्ष और भाजपा प्रदेश मीडिया प्रभारी भी रह चुके हैं। अभी वे पार्टी के प्रदेश प्रवक्ता थे। उनके निधन पर पार्टी नेताओं ने भी शोक व्यक्त किया है। भाजपा प्रदेश प्रवक्ता गोविंद मालू मीडिया और सोशल मीडिया पर पार्टी का पक्ष जोरदार तरीके से रखते थे। आकस्मिक निधन से 12 घंटे पहले भी उन्होंने सोशल मीडिया एक्स पर पोस्ट कर कांग्रेस पर निशाना साधा था। मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव ने भाजपा के प्रदेश प्रवक्ता गोविन्द मालू के निधन पर एक्स कर गहन शोक व्यक्त किया है। मुख्यमंत्री डॉ यादव ने कहा कि मालू भाजपा की विचारधारा के प्रति प्रतिबद्ध, समर्पित कार्यकर्ता थे। उन्होंने पार्टी की विभिन्न जिम्मेदारियों को बखूबी निभाया। उनका असमय निधन समाज और भाजपा परिवार के लिए बड़ी क्षति है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने बाबा श्री महाकाल से दिवंगत आत्मा को अपने श्रीचरणों में स्थान देने और शोकाकुल परिवार को यह वज्रपात सहने की शक्ति प्रदान करने की प्रार्थना की है।

बहुसंख्यक हुए कम: पीएम की आर्थिक सलाहकार समिति ने 1950 से 2015 तक 65 साल की स्टडी पर जारी की रिपोर्ट

देश की आबादी में 6 पर्सेंट घट गए हिंदू, मुस्लिमों की बढ़ी संख्या

नई दिल्ली। पीएम की आर्थिक सलाहकार समिति ने अपनी रिपोर्ट में कहा है कि भारत में 1950 से 2015 तक 65 सालों के अंतराल में बहुसंख्यक हिंदुओं की आबादी में बड़ी गिरावट दर्ज की गई। इस अवधि में देश की आबादी में हिंदुओं की हिस्सेदारी में 6 पर्सेंट की गिरावट आ गई। यही नहीं पाकिस्तान, बांग्लादेश जैसे दूसरे देशों की तुलना करें तो वहां बहुसंख्यक मुस्लिमों की आबादी में हिस्सेदारी तेजी से बढ़ी है। स्टडी के अनुसार एक तरफ भारत में हिंदुओं की हिस्सेदारी घट गई है तो वहीं अल्पसंख्यक मुस्लिमों, ईसाई, बौद्ध और सिखों की आबादी में इजाफा हुआ। वहीं हिंदुओं के अलावा जैन और पारसियों की भी आबादी में हिस्सेदारी इस अवधि में घटी है।

मुस्लिमों की आबादी 5 फीसदी बढ़ी

स्टडी के अनुसार इस अवधि में आबादी में मुस्लिमों की हिस्सेदारी 5 फीसदी बढ़ी है। इसके अलावा ईसाइयों की हिस्सेदारी में 5.38 पर्सेंट, सिखों की 6.58 पर्सेंट बढ़ी है। यही नहीं बौद्धों की हिस्सेदारी भी बढ़ गई है। रिपोर्ट के अनुसार 1950 में भारत की जनसंख्या में हिंदुओं की हिस्सेदारी 84 फीसदी थी। अब देश की जनसंख्या में हिंदू 78 फीसदी हैं।

नेपाल में भी कम हुई हिंदुओं की आबादी

म्यांमार में इस अवधि में बहुसंख्यक बौद्ध समुदाय की आबादी में हिस्सेदारी 10 फीसदी तक कम हुई है। वहीं भारत में हिंदुओं की आबादी में हिस्सेदारी 7.8 पर्सेंट घट गई है। भारत और म्यांमार के अलावा नेपाल की भी ऐसी ही स्थिति है। नेपाल में बहुसंख्यक हिंदुओं की आबादी में हिस्सेदारी 3.6 फीसदी कम हो गई है। पीएम की आर्थिक सलाहकार समिति ने अपनी रिपोर्ट में कुल 167 देशों का अध्ययन किया है। स्टडी में कहा गया है कि दुनिया के ट्रेंड को देखते हुए भारत में एक स्थिरता पाई गई है। स्टडी का कहना है कि भारत में अल्पसंख्यकों को न सिर्फ संरक्षण प्राप्त है बल्कि उनकी जनसंख्या में तेजी से इजाफा हो रहा है।

बांग्लादेश और पाकिस्तान में तेजी से बढ़े मुसलमान

एक तरफ भारत की आबादी में बहुसंख्यक हिंदुओं का शेयर घटा है। वहीं पड़ोसी बांग्लादेश और पाकिस्तान में बहुसंख्यक मुस्लिमों की संख्या तेजी से बढ़ी है। बांग्लादेश में मुस्लिमों की हिस्सेदारी 18.5 पर्सेंट बढ़ गई है। वहीं पाकिस्तान में यह इजाफा 3.75 पर्सेंट का है। अफगानिस्तान में 0.29 पर्सेंट इजाफा हुआ है। यहां एक तथ्य गौरतलब है कि बौद्ध बहुल आबादी वाले भूटान और श्रीलंका में भी बहुसंख्यकों की आबादी में इजाफा हुआ है।

सिंगल कॉलम

डीन भर्ती मामले में सरकार ने पेश किया जवाब, कोर्ट ने दिया दो हफ्ते का समय

इंदौर। प्रदेश में हाल ही में हुए डीन भर्ती मामले में बुधवार को सरकार ने जवाब पेश कर दिया। इंदौर हाई कोर्ट ने सरकार को जवाब के लिए दो सप्ताह का समय दिया था। मामला सरकारी मेडिकल कॉलेजों में डायरेक्ट भर्ती से जुड़ा है। डॉक्टर इसका विरोध कर रहे हैं। बता दें कि प्रत्येक मेडिकल कॉलेज में डीन का पद प्रमोशन का पद है। फैकल्टी जब प्रमोशन के बाद प्रोफेसर बन जाती है, तब उनमें से सीनियर व्यक्ति को डीन बना देते हैं। डायरेक्ट भर्ती का विरोध कर रहे डॉक्टर्स का कहना है कि किसी भी मेडिकल टीचर के जीवन का ये स्वर्णिम अवसर होता है, जब वो डीन बनता है। 2024 के पहले तक ये सब प्रमोशन के पद थे। मध्यप्रदेश शासन में दो प्रकार के मेडिकल कॉलेज हैं। ऑटोनॉमस और सरकारी। ऑटोनॉमस कॉलेजों में वहां काम कर रही फैकल्टी को ही डीन के पद पर प्रमोट किया जाता है। लेकिन सरकार ने डीन के जितने भी पद थे। उन्हें शासकीय कर दिया। पुराने ऑटोनॉमस कॉलेज के डीन के पद को भी शासकीय कर दिया। उन्हें कॉमन पूल में भी लेकर आ गए। यानी अब ऑटोनॉमस और सरकारी मिलाकर 19 मेडिकल कॉलेज में कहीं भी ट्रांसफर कर देंगे। हाईकोर्ट की सिंगल बैंच में किया गया प्रक्रिया को चैलेंज मामले में मेडिकल टीचर एसोसिएशन ने अपनी बात रखी है कि पदों को प्रमोशन से भरने दो। लेकिन इनके लिए डायरेक्ट भर्ती प्रक्रिया लागू कर दी गई है। मार्च में डॉक्टरों के इंटरव्यू करवा दिए और डीन के पद पर नियुक्ति दे दी। मामले में इंदौर के डॉ. वेदप्रकाश पांडे ने इस प्रक्रिया को इंदौर हाई कोर्ट में चैलेंज किया। सबसे पहले सिंगल बेंच में गए। प्रक्रिया रोकने की मांग की। सिंगल बेंच ने कहा कि फाइनल ज्यूरीडिक्शन हमारा होगा। पांडे इस निर्णय के खिलाफ डबल बेंच में चले गए। कोर्ट ने कहा कि आपकी समस्या को हम सुलझा देंगे। सिंगल बेंच में चले जाइए। इसके बाद सिंगल बेंच ने इस मामले में सरकार को जवाब देने के लिए दो सप्ताह का समय दिया। जवाब नहीं देने पर एकतरफा फैसला सुनाने की चेतावनी दी। जिस पर सरकार ने अपना जवाब प्रस्तुत कर दिया है। जवाब प्रस्तुत करने के बाद अब कोर्ट अपना फैसला देगी। डॉ.वेदप्रकाश पांडे ने बताया कि सरकार का जवाब आ गया है। अगली तारीख के बारे में फिलहाल जानकारी नहीं मिली है।

इंदौर के खिलाड़ियों ने रोशन किया नाम, तीरंदाजी में 12 स्वर्ण पदक दिलाए

इंदौर। 6वें यूथ गेम्स काउंसिल ऑफ इंडिया एवं यूथ गेम्स डेवलपमेंट फेडरेशन ऑफ इंडिया के तहत हाल ही में नेपाल में हुए इंडो-नेपाल इंटरनेशनल चैंपियनशिप में इंदौर के बच्चों ने एक बार फिर देश एवं शहर का नाम रोशन किया है। इंदौर की राज आर्चरी एकेडमी की अध्यक्ष शर्मिला भालसे जी ने बताया कि हमारे 4 तीरंदाजों ने अलग-अलग वर्ग में खेलते हुए देश को कुल 12 स्वर्ण पदक एवं दौड़ में 1 स्वर्ण पदक दिलाए हैं और शहर और देश का नाम रोशन किया है।

नेपाल में खेली गई इंटरनेशनल चैम्पियनशिप में खेली गई तीन प्रतियोगिताओं में राज आर्चरी एकेडमी के 4 तीरंदाजों ने शानदार प्रदर्शन किया। चिरंजीव डामोर ने अंडर 9 कंपाउंड में खेलते हुए 160 अंकों में से 159 अंक पाकर स्वर्ण पदक हासिल किया। चिरंजीव पहले भी इसी साल जनवरी में ह्यू इंटरनेशनल चैम्पियनशिप में जबरदस्त प्रदर्शन करते हुए स्वर्ण पदक प्राप्त किया था। इस तरह उन्होंने पिछले 3 महीने में 6 स्वर्ण पदक प्राप्त किए। अंडर 14 रिकर्व राउंड में शिवेंद्र डामोर ने भी 3 इवेंट खेलते हुए 3 गोल्ड मेडल पे निशाना साधा। खनन विभाग में टीआई के रूप में कार्यरत चिरंजीव और शिवेंद्र के पिता चैन सिंह डामोर ने अपने व्यस्त समय से निकाल कर अपने बच्चों पर ध्यान दिया और उनका हौसला बढ़ाया। ऑटो पार्ट्स की दुकान पर काम करते हैं पिता प्रतिस्पर्धा में अंडर 14 कंपाउंड में खेलते हुए श्रेष्ठ यादव ने भी बेहतर प्रदर्शन किया और 3 इवेंट्स में 160 में 159 प्वाइंट लेकर 3 स्वर्ण पदक हासिल किया। बच्चे के पिता चंद्रेश यादव ने ऑटो पार्ट्स की दुकान पर सेवा देते हुए भी अपने बच्चे का साथ दिया, हर दिन समय निकाल कर अपने बेटे के लिए खेल मैदान में आए और उसे प्रोत्साहित किया। सामान्य सी नौकरी करते हुए भी उन्होंने अपने बच्चे की हर जरूरत पूरी किया और यह दिखाया कि खिलाड़ी को मुकाम पर पहुँचाने के लिए उनके माता पिता का बड़ा योगदान होता है।

श्वान के साथ क्रूरता, पीटकर बोरे में भरकर फेंका

इंदौर। इंदौर के एमआईजी थाने पर एक महिला ने श्वान के साथ क्रूरता करने के मामले में पड़ोसी के खिलाफ एफआईआर दर्ज करवाई है। आरोपी ने श्वान को पहले डंडे से पीटा बाद में बोरे में भरकर दूसरे स्थान पर छोड़ दिया। एमआईजी पुलिस के मुताबिक घटना कृष्णबाग कॉलोनी की है। यहां रहने वाली फरियादी किरण सूर्यवंशी का आरोप है कि 11 महीने से वह देसी श्वान को खाना खिला रही थी। श्वान कॉलोनी में घूमता रहता था। घर के सामने रहने वाला एस कुमार इस बात पर आपत्ति लेता था। एक दिन एस कुमार ने श्वान की पिटाई की और बोरे में भरकर फेंक दिया।

इंदौर नगर निगम फर्जीवाड़े का मास्टरमाइंड

घर में मिला नर्मदा का चार इंची अवैध कनेक्शन

सिटी चीफ इंदौर।

फर्जी बिलों के जरिए नगर निगम को करोड़ों रुपये का चूना लगाने वाला एक्जीक्यूटिव इंजीनियर अभय राठौर पानी चोर भी निकला। उसने गुलाब बाग स्थित अपने घर में नर्मदा का चार इंची अवैध कनेक्शन ले रखा था। इसके जरिए वह प्रतिदिन लाखों लीटर पानी टैंकरों में भरकर बेच रहा था। उसने घर में एक लाख लीटर क्षमता की पानी की टंकी भी बना रखी है।

नगर निगम की टीम को राठौर के घर के बाहर चार टैंकर खड़े मिले। इनमें से प्रत्येक की क्षमता 20 से 30 हजार लीटर है। इन टैंकरों पर इंदौर नगर निगम निश्शुल्क सेवा लिखा हुआ है, लेकिन ये सभी निजी हैं। इन्हें जब्त कर लिया गया है। राठौर ने अपने घर में ही हाईड्रेंट जैसा सेटअप बना रखा था। वह कई वर्षों तक नगर निगम के जल यंत्रालय विभाग में पदस्थ रहा था। इसी दौरान उसने यह अवैध कनेक्शन लिया था। नगर निगम के अपर आयुक्त अभिलाष मिश्रा ने बताया कि सूचना मिली थी कि राठौर ने गुलाब बाग स्थित मकान में नर्मदा का अवैध कनेक्शन ले रखा है। बुधवार को सहायक राजस्व अधिकारी अबीर रेवाल, सहायक

इंजीनियर शिवदत्त व्यास, सब इंजीनियर अवनीश ठाकुर टीम के साथ राठौर के घर पहुंचे। टीम को यहां चार इंची अवैध कनेक्शन मिला है। इसके जरिए टैंकरों को भरने का काम चल रहा था। 1500 वर्गफीट के इस भूखंड पर एक लाख लीटर क्षमता का अंडरग्राउंड टैंक भी बना रखा है। नर्मदा जल को इसी टैंक में जमा किया जाता था। इसके अलावा सप्लाई के वक्त टैंकर भी भरे जाते थे।

निजी निकले चारों टैंकर

मिश्रा ने बताया कि राठौर के घर के बाहर चार टैंकर खड़े मिले। ये सभी निजी हैं, लेकिन धोखा देने के लिए इन पर इंदौर नगर निगम लिखा गया था। इन टैंकरों में नर्मदा का पानी भरकर आसपास की कालोनियों में बेचा जाता था। सिर्फ कालोनी को ही दिया जाता है चार इंची कनेक्शन नगर निगम किसी व्यक्ति को पानी बेचने के लिए कनेक्शन नहीं देता है। मिश्रा के मुताबिक, चार इंची कनेक्शन बल्क कनेक्शन की श्रेणी में आता है। यह किसी बड़ी कालोनी को दिया जाता है ताकि एक स्थान पर पानी एकत्रित कर कालोनी के अन्य घरों तक सप्लाई किया जा सके।आसपास के क्षेत्र में है नर्मदा जल की भारी मांगनिपानिया, तलावली और आसपास के अन्य क्षेत्रों में भूजल की स्थिति खराब है। इन क्षेत्रों में पिछले कुछ वर्षों में कई नई कालोनियां व टाउनशिप विकसित हुई हैं। इस क्षेत्र में भूजल सामान्यत: हार्ड और स्वादहीन है। यही वजह है कि इस क्षेत्र की कालोनियों में नर्मदा जल की ज्यादा मांग है। राठौर ने इसी का फायदा उठाते हुए नर्मदा जल बेचने का काम शुरू किया था। वह यह धंधा शांति टैंकर सर्विस के नाम से चला रहा था।

कार्यपालन यंत्री रहते हुए दिखाया जादू

राठौर गुलाब बाग कालोनी में वर्ष 2001-02 से रह रहा है। यह कॉलोनी वर्ष 2013-14 तक निपानिया पंचायत में शामिल थी। कालोनी में जब नर्मदा लाइन डाली गई उस वक्त अभय राठौर नगर निगम के जल यंत्रालय विभाग में कार्यपालन यंत्री था। इसी का फायदा उठाते हुए उसने मेनलाइन से मनमाने तरीके से चार इंची कनेक्शन ले लिया। यानी जिस नर्मदा लाइन को निगम ने गुलाब बाग के रहवासियों की प्यास बुझाने के लिए बिछाया था, राठौर ने उसी को अपनी अवैध कमाई का जरिया बना लिया। चार इंची अवैध कनेक्शन के जरिए अवैध कमाई का यह खेल एक दशक से ज्यादा पुराना है।

इंदौर में वीडी शर्मा का जीतू पटवारी पर तंज, बोले- सिक्का आपका खोटा और नोटा पर वोट लोग डालें

सिटी चीफ इंदौर।

भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष वीडी शर्मा ने कहा कि प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी इंदौर लोकसभा सीट के लिए मैदान में उतरे 14 प्रत्याशियों को छोड़कर नोटा को वोट देने की अपील कर रहे हैं। वे किसी राजनीतिक पार्टी के पहले ऐसे प्रदेश अध्यक्ष हैं जो नोटा का प्रचार कर रहे हैं। यह भारतीय लोकतंत्र को कमजोर करने का प्रयास है। सिक्का आपका खोटा है और नोटा पर वोट लोग डालें। कांग्रेस अपने क्रियाकलापों की वजह से आज इस स्थिति में है।शर्मा ने मीडिया से चर्चा में अक्षय बम का नाम लिए बगैर कहा कि उनको टिकट किसने दिया था। आपके प्रत्याशी ने धोखा दिया और आप लोगों से नोटा दबाने के लिए कह रहे हैं। शर्मा से जब पूछा गया कि कांग्रेस के खोटे सिक्के को भाजपा में शामिल क्यों किया गया, तो उन्होंने कहा कि ऐसे लोग जो नेता नहीं हैं, किसी भी क्षेत्र के हैं और जो देश के लिए कुछ करना चाहते है, जिन्हें लगता है कि नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में देश आगे बढ़ सकता है, उन्हें पार्टी में शामिल किया जाएगा। शर्मा ने कहा कि कांग्रेस नारा देती है बेटी हूं, कर सकती हूं लेकिन जब बेटी ने अपने साथ हुए गलत व्यवहार को लेकर दस्तक दी, लेकिन किसी ने मदद नहीं की। उस बेटी को हमने अपने दल में शामिल किया है। कांग्रेस हार मान चुकी है- शर्मा ने कहा कि कांग्रेस प्रदेश में

हार मान चुकी है। भाजपा प्रदेश में सभी 29 सीटें जीतेगी। हमें पिछली बार से 10 प्रतिशत अधिक मत मिलेंगे। मैं गंभीरता से कह रहा हूं कि भारत की संप्रभुता पर आक्रमण करने का काम कांग्रेस ने किया है। अपने आप को दिखाने के लिए वे इस प्रकार की भाषा का प्रयोग करते हैं। यह एक दुर्भाग्यपूर्ण है।पित्रोदा के बयान की निंदा कीशर्मा ने ओवरसीज कांग्रेस के अध्यक्ष सैम पित्रोदा के बयान की निंदा की। उन्होंने जीतू पटवारी के भाजपा पर राजनैतिक माफियागीरी के आरोप को लेकर कहा कि वे हार मान चुके हैं। खजुराहो में उनके गठबंधन के प्रत्याशी के नामाकंन रद होने पर भी वे वहां आकर गुंडागर्दी का आरोप लगा रहे थे, लेकिन वह प्रत्याशी की गलती थी। अगर उन्हें लगता था कि यह भाजपा का किया धरा है, तो न्यायालय की शरण लेनी थी, लेकिन उन्होंने ऐसा नहीं किया।

आरोपित एक्जीक्यूटिव इंजीनियर अभय राठौर पर 25 हजार का इनाम

सिटी चीफ इंदौर।

ड्रेनेज घोटाले के आरोपित इंदौर नगर निगम के एक्जीक्यूटिव इंजीनियर अभय राठौर शासकीय फाइलों में चालाकी से फर्जीवाड़ा करता था। स्वीकृत ठेकों की राशि में हेराफेरी कर लाखों की राशि को करोड़ों कर चेक भी बनवा लेता था। पुलिस ने 35 से ज्यादा फाइलों में हाथ की सफाई पकड़ी है। उधर, पुलिस आयुक्त राकेश गुप्ता ने फरार आरोपित राठौर पर बुधवार को इनाम राशि बढ़ाकर 25 हजार कर दी। डीसीपी जोन-3 पंकज पांडे के मुताबिक, नगर निगम से जब्त फाइलों की जांच में हेराफेरी पकड़ में आई है। आरोपित राजकुमार सालवी (बर्खास्त लिपिक) ने पूछताछ में बताया कि अभय राठौर (फरार ईई) ऐसी फाइलें ढूंढता था जिनमें कार्य स्वीकृत हो चुके थे। उनके वर्क आर्डर बदल देता था। वह राशि के अंकों में हेराफेरी कर करोड़ों रुपये कर लेता था। सालवी आडिट शाखा के कर्मचारी मुरलीधरन करता की सहयता से

फर्जी फाइलें आडिट शाखा में जमा करवा देता था। उधर पुलिस ने राठौर की तलाश तेज कर दी है। पुलिस ने आरोपित के पोस्टर छपवाकर कालोनी, रेलवे स्टेशन, बस अड्डों पर चस्पा करने की तैयारी की है।

विवेचना, विश्लेषण और छापे मारने के लिए अलग-अलग टीम

टीआइ विजयसिंह सिसोदिया के मुताबिक, घोटाले से संबंधित चार एफआइआर दर्ज हो चुकी है। जांच के लिए हीरानगर, ग्वालटोली, बाणगंगा, एमजी रोड़ और पुलिस लाइन के पुलिसकर्मियों की टीम गठित की गई है। एक टीम विवेचना संबंधित कार्य करती है। दूसरी टीम बैंक खाते और डेटा विश्लेषण संबंधित कार्य में जुटी है। छापामार कार्रवाई और पूछताछ के लिए पृथक से दल बनाए गए हैं। पुलिस ने राठौर की संपत्ति की जानकारी निकाली तो गुलाब बाग कालोनी, पवनपुरी और वार्ड-32 में घर मिले।

करोड़ों की हेराफेरी - मुद्रांक चोरी में फंसे डीएचएल इन्फ्राबुल के डॉयरेक्टर

सिटी चीफ इंदौर।

रियल एस्टेट कंपनी डीएचएल इन्फ्राबुल इंटरनेशनल के कर्ताधर्ता करोड़ों की हेराफेरी, शासकीय मुद्रांक चोरी और बंधक प्लाटों की खरीदी-बिक्री के मामले में फंस गए है।आर्थिक अपराध ब्यूरो (ईओडब्ल्यू) ने जांच शुरु कर दी है। निवेशकों का आरोप है कि कंपनी ने शासकीय जमीन पर प्लाट बेचे है। कंपनी का टेक्नो सिटी फेस-1 एवं फेस टू (सिमरोल), अक्स लैंडमार्कस (भोपाल), मिलेनियम लैंडमार्क,द ताज,द क्राउन (सीहोर), गोल्ड सिटी (इंदौर) 24 कैरेट, आइकान लैंडमार्क, इम्पेरियल लैंडमार्क,हाईटेक सिट और सिंगापुर सिटी के नाम से कई प्रोजेक्ट है। शिकायतकर्ता प्रवीण सोनी,नितेंद्रसिंह सहित,भावना जैन,राघव शर्मा, शाबिर कुरैशी सहित करीब 20 लोगों ने आर्थिक अपराध ब्यूरो में शिकायत दर्ज करवाई है। आरोप है कि कंपनी के कर्ताधर्ता संतोष सिंह,संजीव जायसवाल उर्फ बंटी ने वर्ष 2013 में प्रोजेक्ट की शुरुआत की लेकिन अधुरे ही छोड़ दिए।आरोपितों ने 15 हजार वर्गफीट के भूखंडों का विक्रय किया लेकिन सामान्य स्टांप पर अनुबंध निष्पादित किया।भूखंड के मुल्य की 35 से 50 प्रतिशत राशि प्राप्त कर ली। आरोपितों ने विकास राशि ली लेकिन अनुबंध में उल्लेख नहीं किया। उक्त अनुबंध को रजिस्टर्ड भी नहीं करवाया।निवेशकों ने आरोपितों पर सैंकड़ों करोड़ की कर चोरी का आरोप लगाया है। उनका आरोप है कि सेक्टर-एफ में बेची जमीन रिकॉर्ड में शासकीय भूमि के रूप में दर्ज है। लोगों को रजिस्ट्री तो कर दी लेकिन नामांतरण अभी तक नहीं हुआ।

फूड प्रोडक्ट कंपनी के नाम से बन रहा था नकली उत्पाद, कार्रवाई के निर्देश

सिटी चीफ इंदौर।

शहर के एक फूड प्रोडक्ट का अन्य कंपनी द्वारा कॉपीराइट और ट्रेडमार्क उल्लंघन पर दिल्ली की पटियाला कोर्ट ने ऑर्डर जारी कर कार्रवाई के निर्देश दिए है। जानकारी के मुताबिक राजशाही फूड प्रोडक्ट्स, इंदौर के द्वारा बनाए जा रहे मिष्ठान के कॉपीराइट और ट्रेडमार्क के उल्लंघन के मामले में दिल्ली हाईकोर्ट ने नकली माल बनाने वालों के खिलाफ कठोर कानूनी कार्रवाई के निर्देश जारी किए हैं।

उल्लंघन के मामले में इंदौर में स्थित एक कंपनी के खिलाफ कार्रवाई की गई। अदालत के निर्देश के बाद निजी कंपनी से बड़ी संख्या में नकली उत्पाद, जो कि नकली लोगों का प्रयोग व मिलते-जुलते नामों के पैकेजिंग और कच्ची सामग्री भी जब्त की गई है। नकली माल बनाने वाली कंपनी उपभोक्ता को गुमराह करने के लिए जो प्रोडक्ट बेच रही थी, उसे लेकर भी सार्वजनिक सूचना जारी की गई है कि डिस्ट्रीब्यूटर भी यह प्रोडक्ट नहीं बेचे। यदि इस तरह की सामग्री मिलती है तो उस पर भी कार्रवाई होगी।

मेगा ब्लॉक के कारण 17 दिन तक इंदौर-महू के बीच निरस्त रहेगी डेमू और पैसेंजर

सिटी चीफ इंदौर।

रतलाम मंडल के राऊ-महू रेलखंड के दोहरीकरण के चलते 11 से 27 मई तक इंदौर-महू रेलखंड पर ट्रेनों का संचालन नहीं होगा। इस दौरान इंदौर-महू के बीच चलने वाली डेमू और पैसेंजर ट्रेन का संचालन बंद रहेगा। वहीं महू से चलने वाली लंबी दूरी की ट्रेनों का संचालन इंदौर, लक्ष्मीबाई नगर और उज्जैन से किया जाएगा। दरअसल, 27 मई को इस रेलखंड का रेलवे सुरक्षा आयोग के अफसर निरीक्षण करेंगे, ताकि दूसरी लाइन पर भी ट्रेनों का संचालन शुरू हो सके।

मंडल से मिली जानकारी के अनुसार पिछले साल मार्च में राऊ-महू के 9.5 किमी के रेलखंड पर दूसरी रेल लाइन डालने का काम शुरू हुआ था, जो अब जाकर पूरा हुआ है।

इसके साथ महू रेलवे स्टेशन के प्लेटफार्म-एक पर रेल लाइन का

काम पूरा हो चुका है।

अब 11 से 26 मई तक रेलवे का निर्माण विभाग रेलवे सुरक्षा आयोग के निरीक्षण के पहले काम को पूरा करेगा। इसके बाद 27 मई को रेलवे सुरक्षा आयोग द्वारा पूरे ट्रैक का निरीक्षण किया जाएगा। इन 17 दिनों में इंदौर-महू के बीच चलने वाली दो जोड़ी पैसेंजर ट्रेन और चार जोड़ी डेमू ट्रेन का संचालन पूरी तरह से बंद रहेगा।

वहीं मालवा एक्सप्रेस, इंदौर-भोपाल-इंदौर इंटरसिटी, कामाख्या एक्सप्रेस, यशवंतपुर एक्सप्रेस ट्रेन और नागपुर एक्सप्रेस का संचालन इंदौर रेलवे स्टेशन से किया जाएगा। इसके साथ ही महू से रतलाम और रतलाम से महू के बीच चलने वाली सभी डेमू ट्रेनों का संचालन इंदौर रेलवे स्टेशन से किया जाएगा।

इंदौर-बिलासपुर एक्सप्रेस का संचालन उज्जैन से

प्रयागराज एक्सप्रेस और पटना स्पेशल का संचालन लक्ष्मीबाई नगर रेलवे स्टेशन से किया जाएगा। इंदौर-बिलासपुर-इंदौर नर्मदा एक्सप्रेस और महू-रीवा-महू एक्सप्रेस का संचालन उज्जैन से होगा।

ये काम किए जाएंगे पूरे

महू स्टेशन पर यार्ड रिमाडलिंग का काम किया जाएगा। इसमें अतिरिक्त लाइन को हटाना, सिग्नलिंग, नई लाइन को जोड़ना आदि काम किए जाएंगे। इस काम को पूरा करने में कम से कम 15 दिन का समय लगेगा। मतदान के चलते 13 मई को काम बंद रहेगा।

हमीदिया अस्पताल में ट्यूमर निकालकर बचाई मरीज की जान, इन बीमारियों से था पीड़ित

सिटी चीफ...भोपाल

भोपाल। हमीदिया अस्पताल में दुर्लभ बीमारी से पीड़ित एक मरीज की सर्जरी कर जान बचाई गई। उसे फियोक्रोमोसाइटोमा एड्रीनल ग्रंथि का न्यूरोएंडोक्राइन ट्यूमर था। सीहोर निवासी 31 वर्षीय मरीज को पिछले पांच साल से सिर दर्द, घबराहट, बहुत ज्यादा पसीना आना और दिल की धड़कन तेज हो जाने की शिकायत थी, जो कुछ समय बाद अपने आप ठीक हो जाती थी। जब मरीज की सीटी स्कैन जांच की गई तो उसमें ट्यूमर का पता चला। यूरिन और प्लाज्मा का स्तर भी बढ़ा हुआ था। डॉक्टरों ने आपरेशन कर छोटी आंत के पास से ट्यूमर निकाल दिया है, मरीज अब पूर्ण रूप से स्वस्थ है और बीमारी के पूर्व के कोई भी लक्षण नहीं हैं। ऑपरेशन टीम के प्रमुख सर्जरी विभाग के प्रोफेसर डॉ. महिम कोशरिया ने बताया कि फियोक्रोमोसाइटोमा या फेयोक्रोमोसाइटोमा एड्रीनल ग्रंथि का एक न्यूरोएंडोक्राइन ट्यूमर है, जो कि एक दुर्लभ बीमारी है। यह अनुमान से प्रति 10 लाख लोगों में से लगभग दो से आठ लोगों में पाया जाता है। इनमें से लगभग 15 प्रतिशत मामले कैंसर के होते हैं। फियोक्रोमोसाइटोमा की वजह से रोगियों में आम तौर पर सिरदर्द, बहुत ज्यादा पसीना आना, दिल की धड़कन का तेज हो जाना और साथ में एक घंटे के भीतर शांत हो जाने वाला दिल का दौरा पड़ता है।

जटिल ऑपरेशन से होता है इलाज

इसका इलाज सिर्फ जटिल ऑपरेशन की मदद से ही होता है। ऑपरेशन के दौरान रक्तचाप काफी बढ़ व घट सकता है, जिसके कारण मरीज को जान का खतरा हो सकता है। हमीदिया में यह ऑपरेशन करने वाली टीम में डॉ. विजय टेकाम, डॉ. ज्योति मारन, डॉ. निखिल, डॉ. कशिश, डॉ. राज एवं सिस्टर भावना ने सहयोग किया। एनेस्थीसिया टीम में प्रोफेसर डॉ. आरपी कौशल, डॉ. जयदीप सिंह एवं डॉ. श्वेता श्रीवास्तव

अनाज पीसते समय साड़ी का पल्लू चक्की के पट्टे में फंसा, गला कसने से महिला की मौत

सिटी चीफ...भोपाल

कोलार के ग्राम शोभापुर बस्ती में घर की आटा चक्की में अनाज पीस रही महिला की साड़ी का पल्लू चक्की के पट्टे में फंस गया। इसके चलते पल्लू लिपटकर महिला के गले में फंदे की तरह फंस गया, जिससे उसका दम घुट गया और वह बेसुध होकर गिर पड़ी। महिला के स्वजन उसे लेकर निजी अस्पताल पहुंचे, जहां डाक्टरों ने जांच करने के बाद मृत घोषित कर दिया। पुलिस घटना को लेकर महिला के स्वजनों के बयान दर्ज कर रही है। पोस्टमार्टम के बाद महिला का शव स्वजन के सुपुर्द कर दिया गया है।

पुलिस के मुताबिक रामवती बाई पत्नी हिम्मत सिंह (50) गृहिणी थी। गांव में उनकी थोड़ी जमीन भी है, जबकि स्वजन मजदूरी भी करते हैं। मंगलवार रात को रामवती घर की आटा चक्की में अनाज पीस रही थी, तभी उनकी साड़ी का पल्लू चक्की के बेल्ट में फंस गया। चलती चक्की में साड़ी का पल्लू फंसने से साड़ी का दूसरा सिरा जो महिला के गले में था, वह कस गया। महिला के गिरने की आवाज सुनकर मौके पर पहुंचे स्वजनों ने उसे देखा तो उठाकर उसे अस्पताल पहुंचाया, जहां डाक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। पुलिस मामले की जांच कर रही है। घटना के समय मौके पर कोई नहीं था। पुलिस ने मौका मुआयना कर पता लगाया है कि महिला के गले में साड़ी कसने से उनकी मौत हुई है। पुलिस पीएम रिपोर्ट का इंतजार कर रही है। उसके बाद मौत का कारण स्पष्ट हो पाएगा।

आठवीं की छात्रा से रिश्तेदार ने किया दुष्कर्म

पेटदर्द होने पर स्वजन अस्पताल लेकर पहुंचे, तब हुआ खुलासा

सिटी चीफ...भोपाल

शहर के रातीबड़ इलाके में रहने वाली 13 वर्षीय किशोरी के साथ उसके रिश्तेदार ने दुष्कर्म कर दिया। जब पीड़िता के पेट में दर्द हुआ तो स्वजन उसे अस्पताल लेकर गए। जहां जांच के बाद उसके गर्भवती होने का पता चला। पीड़िता आठवीं कक्षा की छात्रा है। बाद में स्वजनों के पूछताछ के बाद नाबालिग ने रिश्तेदार द्वारा दुष्कर्म करने के बारे में बताया। पुलिस ने इस मामले में एफआइआर दर्ज कर छानबीन शुरू कर दी है। फिलहाल आरोपित की गिरफ्तारी नहीं हुई है। आरोपित की तलाश में एक टीम विदिशा भेजी गई है। पुलिस के मुताबिक इलाके में रहने वाली किशोरी के रिश्तेदार विदिशा में रहते हैं। उनके बेटे का किशोरी के घर आना-जाना था। वह उसके रिश्ते में चचेरा भाई लगता है। बीते फरवरी में चचेरा भाई किशोरी के घर आया था।

इस दौरान उसने डरा-धमकाकर किशोरी के साथ दुष्कर्म किया था। घटना से डरी-सहमी छात्रा ने किसी को कुछ नहीं बताया था। पिछले दिनों किशोरी के पेट में अचानक दर्द हुआ और चक्कर आने लगे तो स्वजन अस्पताल लेकर पहुंचे। डाक्टर ने चेकअप करने के बाद स्वजन को उसके गर्भवती होने की जानकारी दी। यह सुनकर स्वजन के पैरों तले जमीन खिसक गई। बाद में आरोपित का पता चला और मामले की शिकायत रातीबड़ थाने में की गई।

वन विहार लाए गए तेंदुए को रेडियो कालर लगाकर सतपुड़ा के जंगल में छोड़ा

सिटी चीफ...भोपाल

पिछले माह सीहोर से रेस्क्यू कर वन विहार राष्ट्रीय उद्यान लाई गई मादा तेंदुआ को मंगलवार को सतपुड़ा टाइगर रिजर्व नर्मदापुरम के चूरना परिक्षेत्र में छोड़ा दिया गया है। प्रधान मुख्य वन संरक्षक के आदेश पर उसे प्राकृतिक रहवास में भेजा गया है। वाइल्ड लाइफ कंजर्वेशन ट्रस्ट आफ इंडिया के डा. प्रशांत देशमुख ने उसकी निगरानी के लिए गले में रेडियो कालर लगाया है। अभी कुछ दिन उसके मूवमेंट पर नजर रखी जाएगी।

ग्रामीण इलाके से किया था रेस्क्यू

बता दें कि सामान्य वन मंडल सीहोर के किशनपुर गांव में एक ग्रामीण के घर में मादा तेंदुआ घुस गई थी। उसे ग्रामीणों ने कमरे में बंद कर दिया था। इस मादा तेंदुए को रेस्क्यू कर 14 अप्रैल को वन विहार राष्ट्रीय उद्यान लाया गया था। उक्त तेंदुए का स्वास्थ्य परीक्षण वन्य प्राणी चिकित्सक वन विहार द्वारा किया गया, जिसमें उसका एक दांत टूटा हुआ मिला। लिहाजा उसे यहां क्वारंटाइन बाड़े में रखा गया। कुछ दिनों बाद मादा तेंदुआ नियमित भोजन लेने लगी और उसकी अन्य गतिविधियां भी सामान्य थीं। इसके मद्देनजर वरिष्ठ अधिकारियों एवं वन्यप्राणी चिकित्सक से चर्चा के बाद उक्त मादा तेंदुआ को प्राकृतिक रहवास में रहने योग्य पाए जाने पर सतपुड़ा टाइगर रिजर्व नर्मदापुरम के चूरना परिक्षेत्र में छोड़ दिया गया।

जल्द शुरू होगा एम्स का सामुदायिक रेडियो स्टेशन

25 किमी के दायरे में लोगों को घर बैठे मिलेगी सेहत संबंधी जानकारी

सिटी चीफ...भोपाल

शहर के साकेत नगर में स्थित अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) जल्द ही अपना सामुदायिक रेडियो स्टेशन शुरू करने जा रहा है। इस रेडियो स्टेशन के शुरू होने से एम्स भोपाल और उसके आसपास के 25 किलोमीटर तक के दायरे में लोगों को स्वास्थ्य संबंधी जानकारी एवं अन्य सूचनाएं आसानी से मिल सकेंगी। इस जानकारी का उपयोग कर लोग अपने स्वास्थ्य के प्रति सजग होकर एक बेहतर और स्वास्थ्य जीवन व्यतीत कर पाएंगे। इस सामुदायिक रेडियो पर आसपास के निवासियों को विभिन्न चिकित्सा विशेषज्ञों द्वारा अलग-अलग बीमारियों से जुड़ी बातें बताई जाएंगी। साथ ही लोगों को ऐसी बीमारियों से बचने के उपाय भी बताए जाएंगे। एम्स के कार्यपालक निदेशक प्रो. (डा.) अजय सिंह ने संस्थान की इस नई पहल के बारे में जानकारी देते हुए कहा कि सार्वजनिक स्वास्थ्य को बढ़ावा देने और लोगों को अपने स्वास्थ्य के बारे में निर्णय लेने के लिए सशक्त बनाने के लिहाज से स्वास्थ्य संबंधी विश्वसनीय जानकारी आवश्यक है। हमारे सामुदायिक रेडियो स्टेशन के द्वारा हम स्वास्थ्य सेवा प्रदाता और समुदाय के बीच की खाई को पाट कर लोगों को सक्रिय रूप से अपने स्वास्थ्य का प्रबंधन करने और स्वस्थ जीवन जीने में सक्षम बनाने का प्रयास करेंगे।

यूट्यूबर पर सरेराह चाकू से जानलेवा हमला, नकाबपोश हमलावरों ने की वारदात

सिटी चीफ...भोपाल

अरेरा हिल्स थाना इलाके में यू-ट्यूबर व कपड़ा व्यवसायी पर मंगलवार रात राह चलते जानलेवा हमला कर दिया गया। स्कूटर सवार दो अज्ञात नकाबपोश हमलावरों ने रोशनपुरा से राजभवन की तरफ जाते समय चाकू से हमला किया। पुलिस ने अज्ञात आरोपितों के खिलाफ हत्या के प्रयास का मामला दर्ज कर लिया है। पुलिस आरोपितों की तलाश कर रही है। पुलिस के मुताबिक जोगीपुरा बरखेड़ी जहांगीराबाद निवासी 38 वर्षीय भूपेंद्र जोगी (38) यू-ट्यूबर हैं। इंस्टाग्राम पर उनके ढाई लाख से अधिक फालोअर्स हैं। मंगलवार रात करीब साढ़े नौ बजे रोशनपुरा चौराहे से राजभवन की तरफ जाते समय दो नकाबपोश बदमाशों ने धारदार हथियार उन पर हमला कर दिया। घटना करने के बाद आरोपित मौके से भाग निकले। गंभीर रूप से घायल भूपेंद्र को इलाज के लिए निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया। भूपेन्द्र योगी का एक यू-ट्यूब चैनल है, जिसमें लाखों फालोअर्स हैं। 15 मई को भूपेंद्र का मुंबई में आडिशन होने वाला है। इसमें चयन होने पर उनका फिल्म अभिनेता सलमान खान के साथ काम करने का मौका मिलेगा। पुलिस की प्रारंभिक पूछताछ में भूपेंद्र से किसी की रंजिश की बात सामने नहीं आई है। हमलावरों की पहचान के लिए पुलिस सीसीटीवी कैमरों के फुटेज खंगाल रही है।

मध्य प्रदेश में कर चोरी के मामले में 143 व्यवसायियों से जमा कराए 35.06 करोड़ रुपये

सिटी चीफ...भोपाल

मध्य प्रदेश में आचार संहिता लागू होने के बाद से अब तक फर्जी चालान जारी करके कर चोरी करने वाले 143 व्यवसायियों से 35.06 करोड़ रुपये जमा करवाए गए हैं। यह कार्रवाई व्यवसायियों द्वारा पंजीयन प्राप्त करने के लिए उपयोग किए गए दस्तावेज, पेन नंबर, ई-मेल तथा मोबाइल नंबरों पर दर्ज अन्य नवीन पंजीयनों के डाटा का विश्लेषण और गुप्त सूचनाओं के आधार पर की गई है। कर चोरी की यह राशि और बढ़ सकती है। वाणिज्यिक कर विभाग के अधिकारियों ने बताया कि आयरन एंड स्टील, निर्माण सामग्री, प्लास्टिक, आयल सीड्स, कंस्ट्रक्शन आदि से संबंधित कुल 50 व्यवसायियों से प्रथम दृष्टया कर चोरी के विरुद्ध 14.29 करोड़ रुपये जमा करवाए गए हैं।

कपड़े, घरेलू सामान, बर्तन, मोबाइल, इलेक्ट्रानिक्स, कास्मेटिक्स, पान मसाला आदि से संबंधित 93 व्यवसायियों से 20.77 करोड़ रुपये जमा कराए गए। माल का परिवहन करने वाले वाहनों की विशेष जांच के लिए मध्य प्रदेश के सीमावर्ती जिलों में 28 अस्थायी चेक पोस्ट और 12 मोबाइल टीमों ने बिना ई-वे बिल एवं बोगस बिल के आधार पर परिवहन पाए जाने पर 134 वाहनों को पकड़कर कर चोरी के विरुद्ध 2.03 करोड़ रुपये जमा करवाए गए। अन्य प्रकरणों को मिलाकर आचार संहिता के दौरान कुल 143 व्यवसायियों से 35.06 करोड़ जमा कराए गए।

मौसम का यू टर्न, भोपाल-इंदौर सहित कई शहरों में पड़ीं बौछारें, मप्र के 35 से जिलों में बारिश का अलर्ट

सिटी चीफ...भोपाल

अलग-अलग स्थानों पर बनी मौसम प्रणालियों के असर से अरब सागर से हवाओं के साथ कुछ नमी आने लगी है। इसके चलते बुधवार को दोपहर के बाद मौसम ने यू टर्न ले लिया। आसमान में बादल छा गए और प्रदेश के अधिकतर शहरों में गरज-चमक होने के साथ कहीं-कहीं हल्की वर्षा भी हुई। दिन का तापमान लुढ़कने से तपिश से कुछ राहत भी मिली।

मौसम विज्ञानियों के मुताबिक गुरुवार को भी मौसम का मिजाज इसी तरह बना रह सकता है। उधर गुरुवार को प्रदेश में सबसे अधिक 43.7 डिग्री सेल्सियस तापमान गुना में दर्ज किया गया। मौसम विज्ञान केंद्र से मिली जानकारी के मुताबिक वर्तमान में उत्तरी हरियाणा पर हवा के ऊपरी भाग में एक चक्रवात बना हुआ है। उत्तर-पूर्वी राजस्थान पर भी हवा के ऊपरी भाग में एक चक्रवात है। इस चक्रवात से लेकर एक द्रोणिका गुजरात होते हुए कर्नाटक तक बनी हुई है, जबकि इसी चक्रवात से लेकर दूसरी द्रोणिका उत्तर प्रदेश, बिहार, झारखंड होते हुए असम तक बनी हुई है। उत्तर-पूर्वी अरब सागर पर भी हवा के ऊपरी भाग में एक चक्रवात बना हुआ है।

गरज-चमक के साथ वर्षा

मौसम विज्ञान केंद्र के पूर्व वरिष्ठ मौसम विज्ञानी अजय शुक्ला ने बताया कि वर्तमान में हवाओं का रुख दक्षिणी एवं दक्षिण-पश्चिमी बना हुआ है। हवाओं के साथ अरब सागर से कुछ नमी आने लगी है। इस वजह से पूरे प्रदेश में आंशिक बादल बने हुए हैं। इसके चलते पूरे प्रदेश में अधिकतम तापमान में कुछ कमी आने लगी है। साथ ही प्रदेश के अधिकतर शहरों में गरज-चमक के साथ वर्षा की स्थिति बन रही है। गुरुवार को भी प्रदेश के लगभग सभी संभागों के जिलों में रुक-रुककर वर्षा हो सकती है। इस दौरान तेज हवाएं चलने के भी आसार हैं। उधर गुरुवार से एक नए पश्चिमी विक्षोभ के उत्तर भारत में सक्रिय होने की संभावना है।

कटनी में अचानक तेज हवाओं से गिरे पेड़

पिछले तीन दिनों से लगातार बढ़ रहे तापमान के बाद बुधवार की दोपहर से अचानक से मौसम बदल गया। बादलों ने डेरा डाल लिया और हवाएं चलने लगीं। शाम तक आंधी ने शहर को घेर लिया और उसमें कई स्थानों पर जहां पेड़ों की डाल टूटकर नीचे गिर गईं तो वहीं होर्डिंग्स, बैनर फट गए और टीन नीचे आ गए। आंधी से उठे धूल के गुबार के कारण लोगों को अपने वाहन रोकने पड़े और तूफान के शांत होने के बाद लोग वाहन आगे बढ़ा सके। तूफान के चलते शहर में कई क्षेत्रों में फाल्ट आने से बिजली की सप्लाई भी प्रभावित हुई।

सुबह से ही तेज गर्मी रही और दोपहर तक घरों से निकलना कठिन हो गया था। दिन का पारा 41 डिग्री के आसपास पहुंच गया और दोपहर बाद से बदले मौसम के कारण तापमान में कमी आना शुरू हो गई। जिससे लोगों को गर्मी से राहत मिली। शहर के अलावा रीठी तहसील क्षेत्र में भी आधे घंटे तक हवाओं के साथ बारिश हुई। पीरबाबा के पास सड़क पर गिरा पेड़ आंधी व बारिश के बीच कई स्थानों पर पेड़ गिरने से परेशानी हुई।

साम्पदकीय

बंगाल में खोई जमीन तलाशता वाम मोर्चा

एक समय था, जब भारत की राजनीति में वाम दलों की भूमिका बहुत महत्वपूर्ण हुआ करती थी। दिल्ली में आज भी अरुणा आसफ अली रोड है। अरुणा आसफ अली दिल्ली नगर निगम की पहली चेयरपर्सन चुनी गई थीं। वे अपने दौर की काफी बड़ी वामपंथी नेता थीं। पश्चिम में महाराष्ट्र के श्रीपाद अमृत डांगे से लेकर तेलंगाना, आंध्र जैसे दक्षिणी प्रदेशों में, बल्कि पूरे देश में वाम नेताओं की जनता पर अच्छी पकड़ थी, केरल में तो खैर आज भी है। ब्रिटिश सत्ता के खिलाफ जब कांग्रेस देश की आजादी की लड़ाई लड़ रही थी, तब उसके भीतर ही वामपंथी और दक्षिणपंथी, दोनों तरह की सोच रखने वाले गुट सक्रिय थे। दक्षिणपंथी गुट के श्यामा प्रसाद मुखर्जी ने कांग्रेस से बाहर निकलकर जनसंघ की शुरुआत की, जबकि ईएमएस नंबूदिरीपाद आदि बहुत सारे नेताओं ने भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी का दामन थाम लिया। मगर आगे चलकर वामपंथ में अंदरूनी विभाजन हुआ और आहिस्ता-आहिस्ता वाम नेताओं की पकड़ कमजोर पड़ती गई। सिर्फ पश्चिम बंगाल, त्रिपुरा और केरल में उनका कुछ आधार कायम रहा। केरल में आज भी उनकी सरकार है, पर पश्चिम बंगाल व त्रिपुरा में वाम मोर्चे की हालत खराब है। स्थिति यह है कि त्रिपुरा में भाजपा लगातार दूसरी बार सत्ता में आ गई है, वहीं पश्चिम बंगाल में लगभग साढ़े तीन दशक तक राज करने वाली माकपा और उसकी सहयोगी वाम पार्टियां बिल्कुल हाशिये पर चली गई हैं। साल 2021 के विधानसभा चुनाव में वाम मोर्चे ने कांग्रेस के साथ गठबंधन किया था, उन्होंने इंडियन सेक्युलर फ्रंट नाम की एक मुस्लिम पार्टी को भी इस गठबंधन का हिस्सा बनाया। नतीजा यह हुआ कि इंडियन सेक्युलर फ्रंट का तो एक उम्मीदवार इस चुनाव में कामयाब रहा, पर वाम दलों और कांग्रेस का एक भी प्रत्याशी चुनाव जीत न सका। ऐसे में, आज का सबसे बड़ा सवाल यही है कि इस आम चुनाव में वाम मोर्चे, खासकर माकपा की क्या रणनीति है? कोलकाता में अलीमुद्दीन स्ट्रीट पर माकपा का मुख्यालय है। यहीं पर पार्टी के वरिष्ठ नेता विमान बोस रहते हैं। मोहम्मद सलीम सीपीएम के राज्य सचिव बनाए गए हैं। पार्टी में यह बेहद अहम पद है। ऐसे में, सवाल उठता है कि आखिर इतने वर्षों के बाद मुस्लिम समाज के एक नेता को माकपा ने क्यों राज्य सचिव बनाया? इसके पहले मुजफ्फर अहमद, जिनको प्यार से कॉमरेड काका बाबू पुकारते थे, को इतना सम्मान मिला था। काका बाबू पार्टी के संस्थापक सदस्य थे। काका बाबू के बाद हमेशा बंगाली हिंदू ही सीपीएम के नेता बनते रहे हैं। यह कोई ढकी-छिपी बात नहीं है कि पश्चिम बंगाल में लगभग 30 फीसदी मुस्लिम मतदाता हैं और भाजपा वहां आक्रामक हिंदुत्व का कार्ड खेल रही है। इस कार्ड ने उसे यहां जबर्दस्त कामयाबी भी दिलाई है। याद कीजिए, एक समय था, जब भाजपा कोलकाता नगर निगम चुनाव में महज दो सीट जीत सकी थी, तब लालकृष्ण आडवाणी ने खुशी जाहिर करते हुए बाकायदा बयान दिया था कि श्यामा प्रसाद मुखर्जी के सूबे में हमारा खाता खुल गया है। कोलकाता में भाजपा कार्यकर्ताओं ने खूब गुलाल उड़ाए थे, मानो कोई बड़ी जीत मिली है। आज प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और गृह मंत्री अमित शाह के नेतृत्व में पार्टी की सफलता का आलम यह है कि पिछले आम चुनाव में राज्य की 42 लोकसभा सीटों में से 18 पर जीत हासिल करके भाजपा ने न केवल सबको चौंका दिया, बल्कि अब वह विधानसभा में मुख्य प्रतिपक्ष है। साफ है, बंगाल में सीपीएम की जगह भाजपा ने हथिया ली है। मोदी का राष्ट्रीय नेतृत्व का अपना आभामंडल तो है ही, राज्य में नेता प्रतिपक्ष शुभेंदु अधिकारी और राज्य भाजपा के अध्यक्ष सुकांत मजूमदार, दोनों काफी मेहनत भी कर रहे हैं। माकपा को यह लगने लगा है कि इंडियन सेक्युलर फ्रंट और कांग्रेस के साथ गठजोड़ करने से भाजपा को ही फायदा होता है, क्योंकि उसका हिंदू वोट भाजपा को और मुस्लिम आधार इंडियन सेक्युलर फ्रंट को ट्रांसफर होने लगा है, लिहाजा इस आम चुनाव में उसने कोई गठबंधन नहीं किया। अलबत्ता, उत्तरी बंगाल में उसने कांग्रेस के साथ सीटों का तालमेल जरूर किया है। पश्चिम बंगाल में वाम मोर्चे की दुविधा यह है कि वह अपना सबसे बड़ा शत्रु किसको माने? स्वाभाविक राजनीतिक दुश्मन तो तृणमूल कांग्रेस ही है, क्योंकि ममता ने ही उसको सत्ता से बेदखल किया। माकपा इस बात को भूल नहीं सकती। फिर संदेशखाली की घटना से लेकर ममता सरकार में सामने आए भ्रष्टाचार के मुद्दों, मंत्रियों की गिरफ्तारी को भाजपा जितने जोर-शोर से उठा रही है, उन पर भी माकपा खामोशी नहीं बरत सकती, क्योंकि इससे उसकी विपक्ष की भूमिका प्रभावित होती है और यदि वह आक्रामक विरोध करती है, तो भाजपा विरोधी नैरेटिव को नुकसान पहुंचता है। 2019 और 2021 में माकपा की आंतरिक रणनीति थी कि पहले राम बाद में वाम। यानी राज्य में अभी भाजपा को मजबूत होने दो, बाद में हम उसे हटाएंगे, फिलहाल ममता से निपटना जरूरी है। मगर इस रणनीति को लेकर इस बार माकपा में मतभेद उभर आया। इस रणनीति के विरोधियों का कहना है कि यदि एक बार भाजपा कोलकाता की सत्ता पर काबिज हो गई, तो अगले तीस वर्षों तक माकपा के लिए सत्ता में लौटना सपना हो जाएगा। इसलिए माकपा दिग्भ्रमित है कि उसका मुख्य दुश्मन कौन है? उसकी एक बड़ी परेशानी यह भी है कि कार्यकर्ता-स्तर पर ममता विरोधी अधिक हैं, जबकि ऊपरी स्तर पर भाजपा के मुखालिफ नेता अधिक हैं। वे सांप्रदायिक मुद्दों को कहीं अधिक महत्वपूर्ण मानते हैं। लिहाजा इस बार यह देखने वाली बात होगी कि माकपा किसके वोट काटती है? पिछले चुनाव में उसका वोट प्रतिशत घटा था और भाजपा को इसका फायदा मिला था। अगर इस बार सीपीएम कुछ वापसी करती है और हिंदू वोटों को अपनी तरफ खींचती है, तो इससे भाजपा का प्रदर्शन प्रभावित हो सकता है। इसी तरह, सीएए के बाद मुस्लिम वोट कितना माकपा को मिलता है, यह भी देखने की बात होगी, क्योंकि इस कानून से घबराए मुसलमानों के तृणमूल के पक्ष में लामबंद होने की सूचनाएं मिल रही हैं। जाहिर है, यह चुनाव तो ममता बनाम भाजपा ही है, वाम मोर्चा सिर्फ वोट प्रतिशत बढ़ाने और अपनी खोई जमीन वापस पाने के लिए लड़ रहा है।

भस्म आरती में फूलों से सजे बाबा महाकाल, नंदी मंडपम में महा-रुद्राभिषेक अनुष्ठान जारी

विश्व प्रसिद्ध श्री महाकालेश्वर मंदिर में आज वैसाख शुक्ल पक्ष की प्रथमा तिथि पर गुरुवार तड़के भस्म आरती के दौरान चार बजे मंदिर के पट खुलते ही पंडे पुजारी ने गर्भगृह में स्थापित भगवान की प्रतिमाओं का पूजून किया। भगवान महाकाल का जलाभिषेक दूध, दही, घी, शक्कर और फलों के रस से बने पंचामृत से कर पूजन अर्चन किया गया। प्रथम घंटाल बजाकर हरि ओम का जल अर्पित किया गया। कपूर आरती के बाद बाबा महाकाल को नवीन मुकुट रुद्राक्ष व मुंड माला धारण करवाई गई। आज के श्रृंगार की विशेष बात यह रही कि प्रथमा तिथि पर गुरुवार की भस्मआरती में बाबा महाकाल का पूजन सामग्री से श्रृंगार कर उन्हें विभिन्न फूलों से सजाया गया। श्रृंगार के बाद बाबा महाकाल के ज्योतिर्लिंग को कपड़े से ढांककर भस्म रमाई गई और भोग भी लगाया गया। महानिर्वाणी अखाड़े की और से भगवान महाकाल को भस्म अर्पित की गई। इस दौरान हजारों श्रद्धालुओं ने बाबा महाकाल के दिव्य दर्शनों का लाभ लिया। जिससे पूरा मंदिर परिसर जय श्री महाकाल की गूंज से गुंजायमान हो गया। श्री महाकालेश्वर मंदिर में जनकल्याण के लिए सौमिक सुवृष्टि अग्निष्टोम सोमयाग अनुष्ठान किया जा रहा है। इसी तारतम्यम में इस वर्ष जन कल्याण की उदात्त भावना से 10 मई तक श्री महाकालेश्वर मंदिर के शासकीय पुजारी पं.घनश्याम शर्मा के आचार्यत्व में महारूद्राभिषेक किया जा रहा है। प्रात- 08 बजे श्री महाकालेश्वर मंदिर के गर्भगृह में पूजन के बाद नंदी मंडपम में सहायक प्रशासक मूलचंद जुनवाल द्वारा महारुद्राभिषेक का संकल्प कर पूजन की गई। पूजन पुजारी पं. विकास शर्मा द्वारा संपन्न करवायी गई। उसके पश्यात 22 ब्राम्हणों को महारुद्राभिषेक का प्रारम्भ किया गया।

गंदी राजनीति ने साधा तकनीक की खतरनाक क्षमताओं को

चीजें उसी तरफ बढ़ती दिख रही हैं, जिधर उनके जाने की आशंका थी। गृहमंत्री अमित शाह के नकली वीडियो, यानी आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस (एआई) से संपादित वीडियो का जिस तरह से इस्तेमाल हुआ, उससे साफ हो गया है कि तकनीक की खतरनाक क्षमताओं को गंदी राजनीति ने साधना शुरू कर दिया है। इसके पहले भी कुछ ऐसे वीडियो आ चुके हैं। चार महीने पहले नए साल का स्वागत करते समय जब यह बताया जा रहा था कि इस वर्ष दुनिया में सबसे ज्यादा देशों में चुनाव होने वाले हैं, तब तमाम विश्लेषणों में यह बात भी नत्थी कर दी गई थी कि 2024 वह साल होने वाला है, जब जनता के फैसले को एआई तकनीक से प्रभावित करने की कोशिशें होंगी। ठीक वैसे ही, जैसे इसके पहले तक हर चुनाव को फर्जी खबरों, यानी फेक न्यूज से प्रभावित करने की कोशिशें होती रहीं। यह साफ था कि एआई झूठी चुनाव गाथाओं को उस हद तक ले जा सकती है, जहां फेक न्यूज पुरातन काल की चीज नजर आने लगे। सबको डर था कि चुनाव की गाथा इस बार कहीं एआई कारखानों से ही न लिखी जाए। अमेरिका जैसे देश में तो इस साल की शुरुआत से ही झूठ के इस संसार ने नया मायावी रूप धारण करना शुरू कर दिया था। पिछले दिनों जब अमेरिका में राष्ट्रपति पद का उम्मीदवार चुनने के लिए प्राइमरीज के चुनाव चल रहे थे, तभी से एआई से तैयार किए गए वीडियो आने लग गए। इनमें से एक वीडियो काफी चर्चा में आया, जिसमें अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन अपने पार्टी प्रतिनिधियों से अपील कर रहे थे कि प्राइमरीज के चुनाव में वे वोट न डालें और अपनी ऊर्जा को बाद में चुनाव के लिए बचाकर रखें। हालांकि, इसका कोई असर पड़ता, इसके पहले ही बात खुल गई, लेकिन तब तक यह भी साफ हो गया कि खतरे कहां तक हैं। अमेरिका में राष्ट्रपति चुनाव अभी दूर है और जिस तरह से यह सब हो रहा है, मान लिया गया है कि इस चुनाव में एआई के झूठ बड़ी भूमिका निभाएंगे। अमेरिका में यह सब जब होगा, तब होगा, लेकिन भारत में तो फिलहाल चुनाव चल रहे हैं। एक तिहाई चुनाव तो निपट भी गए हैं। साल के शुरू में लग रहा था कि चुनाव का दौर आते-आते एआई के झूठ की बाढ़ आ सकती है। अमित शाह का यह वीडियो बताता है कि वे आशंकाएं सही थीं। इसके साथ ही कुछ नेताओं और अभिनेताओं के एआई से तैयार फर्जी वीडियो पिछले कुछ दिनों से चर्चा में रहे हैं। मगर एक सच यह भी है कि अभी उतनी नहीं है, जितनी साल की शुरुआत में आशंका थी। अभी भारत में जो आम चुनाव चल रहे हैं, उसकी तुलना कीजिए पिछले दो आम चुनावों या इस दौरान हुए विधानसभा व अन्य चुनावों से। इस दौरान सोशल मीडिया पर जितने प्रकार के, जितनी मात्रा में झूठ परोसे गए, उतने तो इस देश की राजनीति और समाज ने पहले कभी देखे तक नहीं थे। 2019 के चुनाव को तो सोशल मीडिया और वाट्सएप चुनाव भी कहा गया था। तब तक देश की एक बड़ी आबादी के हाथों में ऐसी तकनीक आ चुकी थी, जिससे पलक झपकते ही किसी बात या बतंगड़ को पूरे देश में फैलाया जा सकता था। उस चुनाव का पूरा फसाना तकनीक ने ही तय किया था या उसके प्रसार में बड़ी भूमिका निभाई थी। मगर यही बात इस बार एआई के बारे में नहीं कही जा सकती। कुछ खतरनाक किस्म के और चिंता पैदा करने वाले फर्जी वीडियो जरूर सामने आए हैं, लेकिन वे ऐसे नहीं हैं कि उनसे चुनाव का पूरा फसाना तय हो रहा हो या बदल रहा हो। गौर से देखें, तो इस चुनाव में सिर्फ इतना ही नहीं हुआ। इस बार फर्जी खबरों, यानी फेक न्यूज की संख्या और उनके बोलबाले में भी नाटकीय तौर पर कमी आई है। कम संख्या में ही सही, फर्जी खबरें अब भी आ रही हैं, लेकिन चुनाव के विमर्श में वे कोई बड़ी भूमिका निभाती नहीं दिख रहीं। नेताओं के भाषणों में अब भी झूठ बोले जा रहे हैं, बेमतलब के आरोपों-प्रत्यारोपों से चुनाव जीतने की कोशिशें अभी भी पहले की ही तरह हो रही हैं। मगर स्मार्टफोन के जरिये सीधे हमारे घर में आ धमकने वाली फर्जी खबरों में कमी के संकेत हर तरफ मिल रहे हैं। देश में जिस तरह की राजनीति है, उसमें यह तो नहीं माना जा सकता कि हमारे राजनीतिज्ञों में कोई सुधार आ गया और उन्होंने सोशल मीडिया के गलत इस्तेमाल से तौबा कर ली है। दरअसल, चुनाव आयोग की सतर्कता और झूठ का तुरंत ही पर्दाफाश करने वाले फैक्ट चैकर्स की फुर्ती इसमें एक भूमिका निभा सकती है और अब ये दोनों तरह की ताकतें ज्यादा सक्रिय हैं, लेकिन ऐसा नहीं है कि ये पहले पूरी तरह से नदारद थीं। ऐसे में, सही कारण समझना थोड़ा मुश्किल जरूर है, पर कुछ अनुमान तो लगाए ही जा सकते हैं। पिछले कुछ समय में एक चीज जरूर हुई कि अब सोशल मीडिया पर किसी एक दल का बोलबाला नहीं रहा। तकरीबन सभी छोटे-बड़े दलों ने अपने आईटी सेल बना लिए हैं और वे बराबर सक्रिय भी हैं। वे एक्स और इंस्टाग्राम से लेकर यू-ट्यूब तक हर जगह सक्रिय हैं। हर एक के पास अपने समर्थकों के बड़े नेटवर्क हैं। अब सभी ये सीख गए हैं कि कब किसी हैशटैग को किस तरह से ट्रेंड कराना है और किस बहस को कब किधर मोड़ देना है। किसी भी झूठ, फरेब या दावे का वे तुर्की-ब-तुर्की जवाब देने के लिए हरदम सक्रिय रहते हैं। इस सबने सभी को बराबरी के स्तर पर ला खड़ा किया है। पिछले दिनों देश के विपक्षी दल लेवल प्लेइंग फील्ड, यानी बराबरी के मैदान की मांग कर रहे थे। चुनाव आयोग से सुप्रीम कोर्ट तक यह मुद्दा अलग-अलग तरह से उठाया गया। जब चुनावी बॉन्ड के आंकड़े आए, तब भी यही कहा गया कि लेवल प्लेइंग फील्ड नहीं है। इन तर्कों में कितना दम है, यहां इस चर्चा की फिलहाल जरूरत नहीं, पर एक सच यह है कि तकनीक ने देश के छोटे-बड़े सभी राजनीतिक दलों को बराबरी का मैदान उपलब्ध करा दिया है। चुनाव के नतीजे अब चाहे जो भी हों, पर 2024 के आम चुनावों की एक कहानी यह भी है।

संसाधनों पर निजी अधिकारों का पेच, शीर्ष कोर्ट के समक्ष फिर लाया गया यह प्रश्न

हर व्यक्ति को जन्म के साथ ही प्रकृति से कुछ अधिकार प्राप्त होते हैं, जिनमें जीवन, स्वतंत्रता और संपत्ति के अधिकार सर्वोपरि हैं। इन निजी अधिकारों की रक्षा करना प्रकृति के नियमों की रक्षा करना है, जो नैसर्गिक न्याय के सिद्धांत का मूल तत्व भी है। इस सामान्य नियम पर अक्सर विवाद होते रहे हैं कि भारत जैसे देश में संसाधनों या संपत्ति पर अधिकार समुदाय का है या फिर निजी व्यक्ति का। ऐसा ही प्रश्न एक बार फिर न्यायालय के समक्ष लाया गया है। संविधान के अनुच्छेद 39 (बी) तथा (सी) के प्रावधानों की व्याख्या नौ-न्यायाधीशों की एक पीठ द्वारा की जाएगी, जो स्वाभाविक रूप से ऐतिहासिक होगी। लेकिन पहले इस विषय को समझ लेना जरूरी है। गौरतलब है कि कर्नाटक राज्य बनाम रंगनाथ रेड्डी, 1978 मामले में न्यायमूर्ति वी. आर. कृष्णा अय्यर ने कहा था कि संसाधनों पर समुदाय के स्वामित्व की संकल्पना में सभी प्राकृतिक व भौतिक संसाधन तथा सार्वजनिक और निजी संसाधन शामिल होंगे। प्रश्न यह है कि यदि निजी संसाधनों पर व्यक्ति का अधिकार सुरक्षित नहीं है, तो आज की आर्थिक रूप से उदारीकृत व्यवस्था में जब निजी निवेश जरूरी हो गया है, तो हम निवेशकों को कैसे प्रेरित कर पाएंगे? इस पर विचार करने से पहले यह देखना जरूरी है कि संविधान निर्माताओं ने सार्वजनिक और निजी अधिकारों को किस प्रकार संतुलित किया है और वर्तमान परिदृश्य में उसकी व्याख्या कैसे की जानी चाहिए। मूल संविधान में उदारवादी और समाजवादी, दोनों ही विचारों को शामिल किया गया है, जिसके आधार पर लोकतांत्रिक अधिकारों की रक्षा के साथ आवश्यकतानुसार संसाधनों के वितरण पर समान बल है। यही हमारे संविधान की सबसे बड़ी विशेषता है, जिसके लिए वह शासन व्यवस्था को निर्देश देता है, ताकि लोकतांत्रिक समाजवाद के लक्ष्य की प्राप्ति कर भारत को कल्याणकारी राज्य बनाया जा सके। हालांकि हमने समाजवादी विचारों को शामिल करने की प्रेरणा सोवियत संघ से ली है, लेकिन भारतीय समाजवाद अपने आप में अनूठा है, क्योंकि इसमें उदारवादी गुणों का मिश्रण है। इसका अर्थ यह है कि संविधान संसाधनों का आवश्यकतानुसार वितरण कर लोकतांत्रिक अधिकारों की रक्षा करने का प्रावधान करता है। इसी कारण अनुच्छेद 39(बी) और (सी) में क्रमशः भौतिक संसाधनों पर समुदाय के स्वामित्व और उत्पादन के साधनों के कुछ लोगों के पास इकट्ठा होने पर रोक लगाने का प्रावधान है। इन्हीं समाजवादी सिद्धांतों को ध्यान में रखते हुए पहले संशोधन अधिनियम 1951 से अनुच्छेद 31 ए, 31 बी और नौवीं अनुसूची को जोड़ा गया था। राज्य द्वारा भूमि अधिग्रहण और उसके वितरण का प्रावधान करने के लिए भूमि सुधार अधिनियमों को नौवीं अनुसूची में शामिल कर उन्हें न्यायिक समीक्षा से छूट दी गई थी। इसी प्रकार, 25वें संशोधन से अनुच्छेद 31सी जोड़कर भूमि सुधार संबंधी निदेशक तत्वों, विशेष कर अनुच्छेद 39(बी) और (सी) को संरक्षण दिया गया है। दूसरी ओर, मूल संविधान में अनुच्छेद 31 के तहत व्यक्तियों को संपत्ति का मूल अधिकार देकर उदारवादी लोकतंत्र की स्थापना की गई थी। यानी व्यक्ति के निजी अधिकारों को भी समान महत्व दिया गया था। 1976 में 42वें संशोधन अधिनियम से संविधान की उद्देशिका में 'समाजवादी' शब्द जोड़े जाने के बाद उदारवादी लोकतंत्र और समाजवादी सिद्धांतों के बीच एक टकराव की स्थिति पैदा हो गई, क्योंकि समाजवादी देशों में संपत्ति पर निजी अधिकारों को वरीयता नहीं दी जा सकती है। इसी कारण, 44वें संशोधन अधिनियम, 1978 से इसे मूल अधिकार से हटाकर अनुच्छेद 300ए में एक कानूनी अधिकार बना दिया गया, ताकि राज्य विधि के तहत निजी संपत्ति का नियमन कर सके। पर इसका मतलब यह नहीं है कि देश में लोगों को निजी संपत्ति का अधिकार नहीं है और राज्य समुदाय के स्वामित्व के नाम पर उसका अधिग्रहण नहीं कर सकता है, जब तक कि संपत्ति निर्धारित सीमा से अधिक नहीं हो। ऐसी व्यवस्था जन कल्याण के उद्देश्य से की गई है। आज जब आर्थिक विकास में निजी निवेश की भूमिका अपरिहार्य हो गई है, इसके बिना जन कल्याण की परिकल्पना नहीं की जा सकती।

भारत के संविधान में लोकतंत्र को सर्वोपरि माना गया है और संसाधनों का वितरण अर्थात समाजवादी सिद्धांत उसकी प्राप्ति के साधन हैं। इसके अलावा, संपत्ति का अधिकार एक प्राकृतिक अधिकार भी है, जिसके कारण इसका मूल तत्व नैसर्गिक न्याय है। भारत में जब मूल अधिकारों की प्रेरणा ली गई, तो जीवन और स्वतंत्रता के अधिकारों को एक साथ रखा गया और संपत्ति के अधिकार को सामुदायिक बनाया गया था। पर इसका अर्थ यह नहीं है कि यहां संसाधनों पर निजी अधिकारों का महत्व कम है और इन्हें छीना जा सकता है। भारतीय संविधान की सबसे बड़ी विशेषता है कि यह लोकतांत्रिक है तथा निजी अधिकारों व समाजवादी सिद्धांतों के बीच इसमें संतुलन है। बाजार अर्थव्यवस्था के प्रसार के बाद राज्य, बाजार और नागरिक समाज, सभी हितधारकों द्वारा एक साथ समन्वय बनाते हुए कार्य करना आवश्यक है। ऐसी स्थिति में, संविधान में अंतर्निहित सिद्धांतों की उदारवादी व्याख्या जरूरी है। इसी संदर्भ में अनुच्छेद 39(बी) में उल्लिखित समुदाय के स्वामित्व वाले प्रावधानों को भी समझा जाना चाहिए। मौजूदा परिस्थिति में यदि निजी अधिकारों को केवल इस आधार पर निर्बंधित किया गया कि संसाधनों में निजी संपत्ति भी शामिल है, तो यह लोकतांत्रिक मूल्यों के विरुद्ध होगा। संविधान में संपत्ति का अर्थ मुख्यतः भूमि संसाधन है, क्योंकि अनुच्छेद 39(सी) में उल्लिखित शब्द %उत्पादन के साधन% में मुख्यतः भूमि और पूंजी शामिल हैं, जिनके जमा होने पर रोक लगाई गई है। दूसरी ओर, अनुच्छेद 31सी में भूमि सुधार संबंधी निदेशक तत्वों को अधिकारों पर वरीयता देने का अर्थ निजी अधिकारों को छीनना नहीं है। वस्तुतः अधिकारों और निदेशक तत्वों के बीच सामंजस्य होना चाहिए। अत- संसाधनों पर सामुदायिक स्वामित्व की व्याख्या कर निजी अधिकारों का उल्लंघन नहीं किया जाना चाहिए।

ओटीटी रिलीज के लिए बदला गया विद्युत की क्रैक का क्लाइमेक्स, फिल्म से काटे गए इतने मिनट के दृश्य

विद्युत जामवाल की स्पोर्ट्स एक्शन फिल्म क्रैक इस साल फरवरी में सिनेमाघरों में रिलीज हुई थी। हालांकि, यह बॉक्स ऑफिस पर असफल रही। इसका प्रदर्शन काफी निराशाजनक रहा। फिल्म में विद्युत का एक्शन अवतार, नोरा और अर्जुन रामपाल का अभिनय दर्शकों को आकर्षित नहीं कर पाई। वहीं, अब यह फिल्म ओटीटी पर भी रिलीज हो चुकी है, लेकिन फिल्म को कुछ बदलाव के साथ रिलीज किया गया है।जिन दर्शकों ने सिनेमाघरों में यह फिल्म देखी है, उनके लिए भी इसकी ओटीटी रिलीज में कुछ खास है। वे भी एक बार फिर फिल्म देखकर इसका लुत्फ उठा सकते हैं। दरअसल, निर्माताओं ने ओटीटी रिलीज के लिए फिल्म के क्लाइमेक्स दृश्य को पूरी तरह से बदल दिया है। इतना कि पूरे 15 मिनट का हिस्सा, जिसमें एक अप्रत्याशित मोड़ भी शामिल था, उसे भी काट दिया गया है। इससे न केवल ओटीटी पर फिल्म का रनटाइम कम हो गया, बल्कि इसके मूल नाटकीय संस्करण में जो अंत था, वह बदल गया।निर्देशक आदित्य दत्त ने खुलासा किया कि टीम ने सामूहिक रूप से फिल्म के बॉक्स ऑफिस पर खराब प्रदर्शन को ध्यान में रखा, जिसके बाद अतिरिक्त क्लाइमेक्स में कटौती करने का फैसला किया। उन्होंने कहा कि हमने इसे ओटीटी के लिए एक अलग रूप में रखा और बस एक छोटे संस्करण में कहानी बताने की कोशिश की। हम सभी ने बैठकर फिल्म के प्रदर्शन का दोबारा विश्लेषण किया और फिल्म को और रोमांचक बनाने का फैसला लिया। ऐसा आम तौर पर सभी फिल्मों के साथ नहीं होता है, लेकिन आप अपनी फिल्मों को विभिन्न रूपों में बता सकते हैं।वहीं, फिल्म के सह-निर्माता अब्बास सैय्यद का कहना है कि वे कभी भी क्रैक लंबे कट के पक्ष में नहीं थे, लेकिन जब काम शुरू हुआ और इस पर विचार किया गया तो अंत में बदलाव करना और इसके डिजिटल रिलीज के लिए एक एक नई कहानी रखना काफी रोमांचक था। उन्होंने कहा कि फिल्म ठीक उसी समय खत्म होती है, जब विद्यु और अर्जुन रामपाल की लड़ाई खत्म होती है। यहां तक कि नाटकीय संस्करण के पहले संपादन में भी हम नहीं चाहते थे कि विद्युत का फ्लाइट से कूदने का अतिरिक्त हिस्सा हो और फिर जो गाना आता है, इसकी भी आवश्यकता नहीं थी। कहानी दो लोगों के बीच खत्म होती है। दर्शक बिना वजह यादा मसाला नहीं देखना चाहते। दृश्यों को खींचा जा रहा था, जिसकी जरूरत नहीं थी, इसलिए हमने उन दृश्यों को छोटा कर दिया।जिस दृश्य को डिजिटल संस्करण से हटा दिया गया है, उसमें मार्क की भूमिका निभाने वाले अभिनेता बिजय आनंद का दृश्य था। वे फिल्म के खलनायक देव के सौतेले पिता थे। खलनायक की भूमिका अर्जुन रामपाल ने निभाई थी। वहीं क्रैक के कलाकारों की बात करें तो फिल्म में विद्युत और नोरा के अलावा अर्जुन रामपाल और एमी जैक्सन जैसे कलाकार महत्वपूर्ण भूमिका में हैं। फिल्म में अभिनय के अलावा विद्युत जामवाल ने अब्बास सैय्यद के साथ मिलकर इस फिल्म का निर्माण भी किया है। क्रैक-जीतेगा तो जिएगा एक स्पोर्ट्स फिल्म है, जो आदित्य दत्त द्वारा निर्देशित है। यह दो भाइयों पर आधारित फिल्म है। यह फिल्म 26 अप्रैल को डिनी प्लस हॉटस्टार पर स्ट्रीम हुई थी।

मेट गाला में शामिल होने के लिए सितारे भरते हैं लाखों रुपये, टिकट की कीमत सुन चकरा जाएगा माथा

मेट गाला का इंतजार हर साल फैशन लवर्स बेसब्री से करते रहते हैं। इस फैशन इवेंट में शामिल होने के लिए दुनिया भर से सेलिब्रिटी न्यूयॉर्क पहुंचते हैं। हाल ही में मेट गाला 2024 का आयोजन हर साल की तरह इस साल भी न्यूयॉर्क मेट्रोपॉलिटन म्यूजियम ऑफ आर्ट के कॉस्ट्यूम इंस्टीट्यूट में किया गया। इस साल इस समारोह में आलिया भट्ट भारत की तरफ से गई थीं। चलिए आज आपको बताते हैं कि इस समारोह में शामिल होने के लिए सितारे कितने लाख रुपये भरते हैं। पिछले कई दिनों से सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर मेट गाला 2024 की तस्वीरें ही दिख रही हैं। भारत में आलिया भट्ट के फैंस उनके मेट गाला लुक के दीवाने हुए जा रहे हैं। वहीं मीडिया रिपोर्ट्स की मानें तो इस समारोह में शामिल होने के लिए आलिया के साथ-साथ सभी सितारों ने एक भारी-भरकम रकम अदा की है। मेट गाला न्यूयॉर्क में मेट्रोपॉलिटन म्यूजियम ऑफ आर्ट के कॉस्ट्यूम इंस्टीट्यूट के लिए एक वार्षिक धन एकत्रित करने वाला कार्यक्रम है। पिछले कुछ वर्षों से मेट गाला के टिकटों की कीमत में काफी वृद्धि देखने को मिली है। मेट गाला न्यूयॉर्क में मेट्रोपॉलिटन म्यूजियम ऑफ आर्ट के कॉस्ट्यूम इंस्टीट्यूट के लिए एक वरदान साबित हुआ है।मीडिया रिपोर्ट्स की मानें तो इस साल मेट गाला के एक टिकट की कीमत लगभग 62 लाख रुपये रखी गई थी। वहीं इस कार्यक्रम में शामिल हो कर सितारों ने लगभग 217 करोड़ रुपये जुटाए हैं। मेट गाला 2024 में शामिल होने के लिए गेस्ट लिस्ट की सूची वोग मैगजीन की प्रधान संपादक अन्ना विंटोर ने तैयार किया था। वे हर साल 400 अतिथियों को आमंत्रित करती हैं। इस साल मेट गाला 2024 के दौरान 26 मिलियन डॉलर जुटाया गया है। जो साल 2023 के मेट गाला आयोजन की तुलना में 33 करोड़ रुपये अधिक है। वहीं

एक सही शॉट के लिए सात घंटे तक सेट पर बैठी रहीं मनीषा

ऐसे फूंकी थी मल्लिका जान के किरदार में जान

संजय लीला भंसाली की वेब सीरीज हीरामंडी- द डायमंड बाजार नेटफ्लिक्स पर रिलीज हो चुकी है। इसे दर्शकों की ओर से मिली जुली प्रतिक्रिया मिल रही है। यह एक पीरियड ड्रामा सीरीज है, जिसमें कई कलाकारों ने काम किया है। भंसाली की हर एक फिल्म चर्चा में रहती हैं। हीरामंडी- द डायमंड बाजार से उन्होंने वेब सीरीज में डेब्यू किया है। अब हाल ही में सीरीज में मल्लिका जान का किरदार निभाने वाली मनीषा कोइराला ने भंसाली के साथ काम करने के अपने अनुभव को साझा किया है।संजय लीला भंसाली की वेब सीरीज हीरामंडी- द डायमंड बाजार नेटफ्लिक्स पर रिलीज हो चुकी है। इसे दर्शकों की ओर से मिली जुली प्रतिक्रिया मिल रही है। यह एक पीरियड ड्रामा सीरीज है, जिसमें कई कलाकारों ने काम किया है। भंसाली की हर एक फिल्म चर्चा में रहती हैं। हीरामंडी- द डायमंड बाजार से उन्होंने वेब सीरीज में डेब्यू किया है। अब हाल ही में सीरीज में मल्लिका जान का किरदार निभाने वाली मनीषा कोइराला ने भंसाली के साथ काम करने के अपने अनुभव को साझा किया है।मनीषा ने आगे बताया कि हीरामंडी में एक शॉट सही कराने के लिए वह सात घंटे तक सेट पर बैठी रहीं और फिर इसके बाद 12 घंटे की शूटिंग के बाद उन्होंने भंसाली से उनके स्वास्थ्य को ध्यान में रखने का अनुरोध किया। मनीषा ने यह भी बताया कि भंसाली को हर सीन में परफेक्शन चाहिए होती थी और वह भी कोशिश करती थी कि उनसे किसी भी तरह की कोई कमी न छूट जाए।वेब सीरीज हीरामंडी द डायमंड बाजार एक मई को नेटफ्लिक्स पर रिलीज हुई थी। इस सीरिज में सोनाक्षी सिन्हा, मनीषा कोइराला, ऋचा चड्ढा, संजीदा शेख, शर्मिन सहगल, अदिति राव हैदरी, ताहा शाह बदुशाह, शेखर सुमन और अध्ययन सुमन जैसे कई सितारे अहम भूमिका में नजर आए हैं। सीरीज को दर्शक काफी पसंद कर रहे हैं। वहीं, मनीषा कोइराला के किरदार की खास तारीफ हो रही है।

साई पल्लवी के जन्मदिन पर थंडेल निर्माताओं ने दिया फैंस को तोहफा, फिल्म में ऐसा रहेगा लुक

अभिनेत्री साई पल्लवी इन दिनों अपनी आने वाली फिल्म थंडेल को लेकर सुर्खियां बटोर रही हैं। इस फिल्म में उनके साथ नागा चैतन्य भी मुख्य भूमिका में नजर आएंगे। साई पल्लवी आज अपना 32वां जन्मदिन मना रही हैं। इस खास मौके पर थंडेल के निर्माताओं की ओर से एक वीडियो जारी किया गया है। यह वीडियो साई पल्लवी के फैंस के लिए किसी तोहफे से कम नहीं है। थंडेल के निर्माताओं ने जो वीडियो जारी किया है, उसमें साई पल्लवी फिल्म के सेट पर मौज-मस्ती करते हुए नजर आ रही हैं। शूटिंग के दौरान की झलकियां देखकर पल्लवी के फैंस काफी खुश हैं। इस वीडियो में साई को कभी नाचते हुए तो कभी गपशप करते हुए देखा जा सकता है। उनके साथ फिल्म के अभिनेता नागा चैतन्य भी बातचीत करते हुए दिखाई दे रहे हैं। निर्माताओं ने उन्हें एक अछा इंसान बताया है। साई पल्लवी को इस पूरे वीडियो में हंसते-मुस्कुराते हुए देखा जा सकता है।थंडेल का निर्देशन चंदू मोंदेती कर रहे हैं। फिल्म की कहानी सची घटना पर आधारित है। साल 2018 में आंध्र प्रदेश के श्रीकाकुलम में कुछ मछुआरे गलती से पाकिस्तान की सीमा में पहुंच गए थे। इसके बाद उन्हें हिरासत में ले लिया गया था। इस फिल्म के सिलसिले में नागा चैतन्य खुद उन मछुआरों से मुलाकात करके उनके अनुभवों के बारे में जान चुके हैं।साई पल्लवी और नागा चैतन्य थंडेल के जरिए दूसरी बार साथ में काम कर रहे हैं। इससे पहले दोनों फिल्म लव स्टोरी में नजर आए थे। यह फिल्म साल 2021 में रिलीज हुई थी। थंडेल का निर्माण गीता आर्ट्स द्वारा किया जा रहा है। इसका संगीत देवी श्री प्रसाद ने तैयार किया है। फिलहाल निर्माताओं की ओर से रिलीज की तारीख का एलान बाकी है।

सलमान खान की फिल्म सिकंदर में अदाकारी का जलवा बिखेरेंगी रश्मिका मंदाना

निर्माताओं ने किया एलान

सलमान खान ने इस साल ईद पर अपनी नई फिल्म सिकंदर की घोषणा की थी। वहीं अब फिल्म पर नया अपडेट सामने आया है। फिल्म में रश्मिका मंदाना को मुख्य नायिका के रूप में चुना गया है। अब रश्मिका सिकंदर के कलाकारों की टोली में शामिल हो चुकी हैं। रश्मिका की जोड़ी पहली बार बॉलीवुड के दबंग सलमान खान के साथ बनेगी। निर्माताओं ने बोर्ड पर एनिमल अभिनेता का स्वागत करते हुए इंस्टाग्राम पर एक पोस्ट के साथ घोषणा साझा की।अपनी हालिया ब्लॉकबस्टर एनिमल की सफलता के बाद रश्मिका मंदाना सिकंदर में एक बार फिर दर्शकों को लुभाने के लिए तैयार हैं। सलमान और रश्मिका की जोड़ी फिल्म दर्शकों के बीच उत्साह पैदा कर रही है। ईद 2025 पर सलमान और रश्मिका का जादू दर्शकों के बीच चलेगा। एआर मुरुगादॉस द्वारा निर्देशित और साजिद नाडियाडवाला द्वारा निर्मित यह फिल्म ईद 2025 पर सिनेमाघरों में रिलीज होगी।प्रोडक्शन हाउस ने आधिकारिक तौर पर इंस्टाग्राम पर इस खबर की घोषणा की। वहीं, एक्स पर प्रोडक्शन हाउस की घोषणा पर उत्साहित रश्मिका ने प्रतिक्रिया व्यक्त की और लिखा, आप लोग लंबे समय से मुझसे अगले अपडेट के लिए पूछ रहे हैं और यह यहां है, आश्चर्य। मैं वास्तव में आभारी हूं और एक होने के लिए सम्मानित महसूस कर रही हूं। सिकंदर का हिस्सा बनने पर खुश हूं।फिल्म की शूटिंग भी शुरू हो चुकी है। आज 9 मई को शूटिंग शुरू होते ही सिकंदर के सेट से सलमान खान की एक तस्वीर वायरल हो गई। फोटो में अभिनेता को सेट पर एक लड़की के साथ पोज देते हुए दिखाया गया है। किक, जुड़वा और मुझसे शादी करोगी जैसी सुपरहिट फिल्मों में साथ काम करने के बाद सलमान खान और साजिद नाडियाडवाला सिकंदर के लिए फिर साथ आ रहे हैं।इस फिल्म का निर्माण साजिद नाडियाडवाला के बैनर नाडियाडवाला ग्रैंडसन एंटरटेनमेंट द्वारा किया जा रहा है। फिल्म को एआर मुरुगादॉस निर्देशित करेंगे। सिकंदर का एलान सलमान खान ने इस साल ईद पर किया था। पोस्टर साझा करते हुए उन्होंने लिखा था, इस ईद बड़े मियां छोटे मियां और मैदान को देखो और अगली ईद सिकंदर से आ कर मिलो, आप सभी को ईद मुबारक।

विजय देवरकोंडा के जन्मदिन पर जारी हुआ नई फिल्म का फर्स्ट लुक पोस्टर, हाथ में पकड़ी है तलवार

सुपरस्टार विजय देवरकोंडा के फैंस के लिए बड़ी खबर सामने आ रही है। आज उनके जन्मदिन के मौके पर उनकी नई फिल्म की घोषणा हो चुकी है। वह जल्द ही निर्माता दिल राजू की फिल्म में काम करते नजर आएंगे। विजय के जन्मदिन के खास दिन पर फिल्म का फर्स्ट लुक कॉन्सेप्ट पोस्टर जारी कर दिया गया है। फिलहाल फिल्म का नाम तय नहीं किया गया है। नाम फाइनल होने तक इसे एसवीसी 59 से जाना जाएगा। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक यह एक ग्रामीण पृष्ठभूमि वाली एक्शन ड्रामा फिल्म होगी। इसका निर्देशन रवि किरण कोला करेंगे। रवि इससे पहले राजा वरु रानी गारू को भी डायरेक्ट कर चुके हैं। यह फिल्म 2019 में रिलीज हुई थी।एसवीसी 59 का निर्माण श्री वेंकटेश्वर क्रिएशन्स बैनर के तहत दिल राजू और शिरीष द्वारा किया जा रहा है। दिल राजू इससे पहले भी विजय के साथ काम कर चुके हैं। विजय देवरकोंडा के अलावा और कौन-कौन से कलाकार अभिनय करेंगे, इसके बारे में भी फिलहाल कोई जानकारी सामने नहीं आई है। फैंस को उम्मीद है कि जल्द ही

जॉन-बिपाशा के साथ अपने रिश्तों पर बोले डीनो, मेरे मन में कभी भी उन दोनों के लिए कड़वाहट नहीं थी

अभिनेता डीनो मोरिया का जब भी जिक्र होता है उनके साथ जॉन अब्राहम और बिपाशा बसु का भी नाम आ ही जाता है। ऐसा माना जाता था कि जॉन और डीनो मोरिया के बीच में बिपासा को लेकर प्रतिद्वंद्विता थी, लेकिन पिछले दिनों डीनो इस विषय पर खुलकर बातें करते नजर आए। उन्होंने वर्षों पुरानी गलतफहमी को सबके सामने साफ कर दिया। आइए आपको बताते हैं डीनो मोरिया ने अपने और जॉन के रिश्ते को लेकर क्या कुछ कहा है। डीनो मोरिया और जॉन अब्राहम ने मॉडलिंग से फिल्मों की ओर एक साथ रुख किया था। हाल ही में एक इंटरव्यू के दौरान जब डीनो से उनके और जॉन के रिश्तों के बारे में सवाल किया गया तब वे बोले, सबसे पहले तो मैं एक चीज साफ कर देना चाहता हूं कि कभी भी जॉन को लेकर मेरे मन में प्रतिद्वंद्विता नहीं थी। हम तब भी दोस्त थे और आज भी हैं। पिछले दिनों मैंने उसे कॉल किया था कि साथ में ड्राइव पर चलते हैं। डीनो मोरिया आगे कहते हैं, लोगों को लगने लगा था कि उनकी वजह से बिपाशा से मेरा ब्रेकअप हो गया है, लेकिन यह सच नहीं था। जॉन के आने से काफी पहले हमारा रिश्ता खत्म हो चुका था। राज के दौरान ही हमारा ब्रेअकप हो गया था। ये सब सिर्फ अफवाह है कि हम तीनों में कड़वाहट थी। हम तीनों तब भी आपस में बातें करते थे। हम दोस्त थे। मैं जॉन के लिए काफी खुश हूं। डीनो मोरिया अपने और बिपाशा के रिश्तों के बारे में बात करते हुए कहते हैं, वे उन दिनों कोलकाता से आई थीं और मैं बैंगलोर से आया था।

हमारा परिचय एक कॉमन फ्रेंड ने कराया था और उसी ने हमें ब्लाइंड डेट पर भेजा था। मैंने बिपाशा के लिए सुन रखा था कि वे कोई सुपरमॉडल हैं और सच में वे सुपरमॉडल थीं। हम एक ब्लाइंड डेट पर मिले थे और हमारी डेट इतनी अछी हुई कि हमने उसके तुरंत बाद डेटिंग शुरू कर दी थी।

सहारनपुर जिलाधिकारी डॉ. दिनेश चन्द्र की अध्यक्षता में दृष्टिगत संबंधित विभागों हुई बैठक

लू, सूखा तथा बाढ के दृष्टिगत जिलाधिकारी ने तहसीलों में बाढ कन्ट्रौल रूम स्थापित करने के दिए निर्देश

गौरव सिंघल । सिटी चीफ सहारनपुर, जिलाधिकारी डॉ. दिनेश चन्द्र की अध्यक्षता में जनपद लू, सूखा तथा बाढ के दृष्टिगत संबंधित विभागों के साथ कलेक्ट्रेट सभागार में बैठक आहूत की गयी तथा विभागवार तैयारी के संबंध में चर्चा की। बैठक में जिला आपदा विशेषज्ञ पंकज कुमार मिश्रा द्वारा पीपीटी के माध्यम से विभाग द्वारा लू, सूखा तथा बाढ से निपटने की तैयारी के संबंध में प्रजेन्टेश दिया।

जिलाधिकारी डा.दिनेश चन्द्र द्वारा पिछले वर्ष आयी बाढ से प्रभावित हुए ग्राम की जानकारी ली तथा प्रभावित किसानों को दिये गये मुआवजा के संबंध में भी जानकारी ली। उन्होंने निर्देश दिए कि यदि किसी किसान की नदी के पानी से फसल नष्ट को गई है तो शासनादेश के अनुसार उसको मुआवजा दिया जाए। उन्होंने निर्देश दिए कि जनपद स्तर पर 24म7 कन्ट्रोल रूम संचालित किया जाये। जनपद की चारों तहसीलों मे बाढ कन्ट्रोल रूम स्थापित किया जाये। बाढ संवेदनशील ग्रामों के निकट बाढ चौकी की स्थापना की जाये तथा 24 घंटे कर्मचारियों की डयूटी लगाई जाये। प्रत्येक

बाढ प्रभावित क्षेत्र में बाढ प्रभावित लोगों को सुरक्षित स्थान पर रखने के लिए शेल्टर होम का चिन्हीकरण कर लिया जाये। जनपद में प्रत्येक तहसील में संवेदनशील ग्रामों का चिन्हीकरण पूर्व के अनुभव के आधार पर पहले ही कर लिया जाये। बाढ के दौरान बाढ प्रभावितों के अवागमन के लिए नावों का चयन कर लिया जाये। डॉ0 दिनेश चन्द्र ने निर्देश दिए कि चिकित्सा विभाग को एन्टी स्नैक वेनम व क्लोरीन की दवा प्रत्येक प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र तथा सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र पर रखने के लिए निर्देशित किया। उन्होने कहा कि प्रत्येक तहसील में आपदा मित्रों का चयन किया गया है जो किसी भी आपदा से निपटने में सक्षम है। ये आपदा मित्र आवश्यक्ता पडने पर स्थानीय स्तर पर लोगों की मदद करना सुनिश्चित करेगें। इन आपदा मित्रों को एसडीआरएफ लखनऊ के सहयोग से प्रशिक्षित किया गया है। बाढ के दृष्टिगत प्रत्येक तहसील में गोताखोर एवं तैराकों का डाटा अपडेट करने के निर्देश दिए। बाढ के दृष्टिगत प्रत्येक तहसील में हेलिकॉप्टर उतारने हेतु सुरक्षित स्थान का चयन कर लिया जाये। जिलाधिकारी ने बाढ के दृष्टिगत पशुपालन विभाग को पशुओं के टीकाकरण पूर्ण करने के लिए निर्देशित किया। उन्होने बाढ के दृष्टिगत बाढ राहत सामग्री क्रय करने के संबंध में जिला पूर्ति अधिकारी से जानकारी ली। बाढ प्रभावित महिलाओं एवं किशोरियों के लिए डिगनटी किट क्रय करने की जानकारी अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व से ली। बाढ कार्य योजना के संबंध में जिलाधिकारी द्वारा सभी विभागों को निर्देशित किया वो अपने विभाग की बाढ कार्य योजना को तैयार कर जिला आपदा विशेषज्ञ को समय से उपलब्ध करा दें। बैठक में अपर जिलाधिकारी वित एवं राजस्व श्री रजनीश कुमार मिश्र, अपर जिलाधिकारी प्रशासन डॉ अर्चना द्विवेदी, जिला आपदा विशेषज्ञ पंकज कुमार मिश्र, अधिशासी अभिन्यता यमुना लिंक तथा बाढ समन्वय अधिकारी सुभाष चन्द्रा, अपर सिचांई खण्ड से अधिशासी अभियन्ता अभिमन्यु कुमार राय सिंह, योगेश कुमार अधिशासी अभियन्ता जल निगम, उप जिलाधिकारी नकुड संगीता राघव, उप जिलाधिकारी रामपुर सुरेन्द्र कुमार, उप जिलाधिकारी देवबन्द अंकुर वर्मा, तहसीलदार नकुड जसमेन्द्र सिंह, उप निदेशक कृषि श्री राकेश कुमार, जिला पंचायत राज अधिकारी आलोक कुमार, खाद्य एवं रसद अधिकारी मनीश सिंह सहित संबंधित अधिकारीगण एवं समस्त विकास खण्ड तथा नगर पालिका, नगर पंचायत से आये अधिकारी उपस्थित रहे।

सहारनपुर में 22 दिन से ट्रेनों का संचालन प्रभावित

सात हजार यात्रियों ने 80 लाख रूपए वापस लिए

गौरव सिंघल। सिटी चीफ सहारनपुर। शंभू बार्डर रेल मार्ग पर किसानों के 17 अप्रैल से जारी धरना प्रदर्शन के कारण पंजाब-जम्मू से आने वाली ट्रेनों को साहनेबाल-अंबाला कैंट के बीच मार्ग बदलकर चलाना पड़ रहा है। जिस कारण ट्रेनें सहारनपुर में देरी से पहुंच रही है। कई ट्रेनें निरस्त कर दी गईं। जालंधर सिटी सुपर एक्सप्रेस समेत कई ट्रेनों का अभी तक संचालन नहीं हुआ है। अब रेलवे ने 10 मई तक ट्रेनों को निरस्त कर दिया है। करीब सात हजार रेल यात्रियों ने अपने टिकट रद्द करा दिए हैं। आन लाइन टिकट

रद्द कराने की संख्या चार गुना ज्यादा है। रेल विभाग टिकट निरस्त कराने वालों को 80 लाख रूपए से भी ज्यादा वापस कर चुकी हैं। सहारनपुर से दिल्ली के बीच शालीमार एक्सप्रेस और नई दिल्ली एक्सप्रेस ट्रेनों का संचालन बंद होने से यात्रियों को भारी कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। जो ट्रेनें चल रही हैं उनमें पैर रखने की भी जगह नहीं है।

गांव मनोहरपुर के जंगल में युवक का शव मिलने से क्षेत्र में सनसनी फैली

पुलिस ने मौके पर पहुंचकर शव को पोस्टमार्टम के लिए भिजवाया

गौरव सिंघल। सिटी चीफ सहारनपुर । देवबंद, देवबंद के तल्हेड़ी पुलिस चौकी क्षेत्र के गांव मनोहरपुर के जंगलों में युवक का शव मिलने से क्षेत्र में सनसनी फैल गई। सूचना के बाद पुलिस ने मौके पर पहुंचकर शव को पोस्टमार्टम के लिए भिजवाया। प्राप्त जानकारी के अनुसार तल्हेड़ी चौकी के गांव मनोहरपुर के जंगल में ईख के खेत में एक युवक का शव मिलने से सनसनी फ़ैल गई। विजय के गन्ने के खेत में विजय के नौकर अमरीश द्वारा दवाई डाली जा रही थी, उसी समय अमरीश की नजर खेत में पड़े युवक के शव पर पड़ी। जिसकी सूचना नौकर द्वारा खेत मालिक विजय को दी गई। घटना की जानकारी मिलने के बाद काफी संख्या में लोग घटनास्थल पर इकठ्ठा हो गए। उन्होंने घटना की जानकारी पुलिस को दी, सूचना मिलते ही

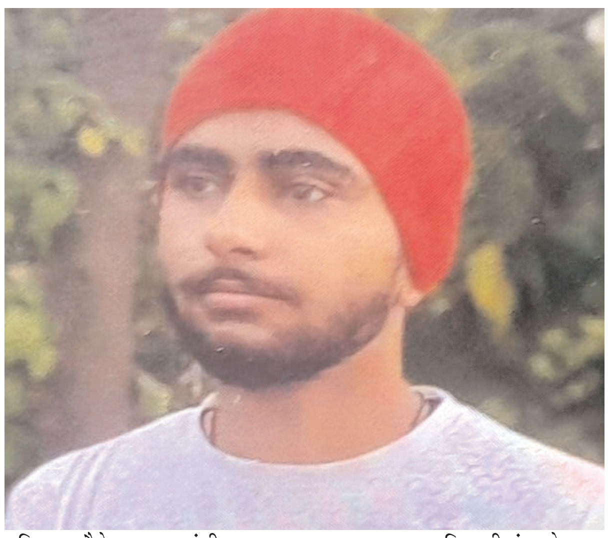

पुलिस मौके पर पहुंची। थाना प्रभारी संजीव कुमार पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे, और लोगों से मृतक युवक के बारे मे जानकारी ली। मृतक युवक की पहचान गांव गगदासपुर जट्ट निवासी इंटर के छात्र शिवराज उम्र 19 वर्ष पुत्र पदम सिंह के रूप में हुई।

पुलिस द्वारा घटना की जानकारी मृतक युवक के परिजनों को दी गई। जानकारी मिलते ही परिजनों में चीख पुकार मच गई और वह घटनास्थल की ओर दौड़ पड़े। इसके बाद पुलिस के द्वारा मृतक युवक के शव का पंचनामा भरकर पोस्टमार्टम के लिए भिजवा दिया गया। परिजनो के मुताबिक शिवराज अपने माता पिता का इकलौता पुत्र था। इसी वर्ष उसने तल्हेड़ी के संस्कार भारती कन्वेंट स्कूल में इंटरमीडिएट (सीबीएसई) की परीक्षा दी है, जिसका अभी रिजल्ट नहीं आया है। युवक आर्मी की तैयारी कर रहा था, आज सुबह दौड़ लगाने के लिए घर से आया था। शिवराज की हुई अचानक मौत से घर में मातम पसर हुआ है। परिजनों का रो-रो कर बुरा हाल है। थाना प्रभारी संजीव कुमार का कहना है कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही युवक की मौत के कारणो का पता चल सकेगा।

सीएमओ डा. संजीव मांगलिक द्वारा अस्पताल में सफाई व्यवस्था, इमरजेंसी कक्ष, ओटी कक्ष, जच्चा बच्चा वार्ड आदि का जायजा लेने के बाद स्वास्थ्यकर्मियों को उचित दिशा-निर्देश दिए गए

सीएमओ ने देवबंद पहुंचकर सीएचसी का औचक निरीक्षण किया

गौरव सिंघल। सिटी चीफ सहारनपुर । देवबंद, सीएमओ डा. संजीव मांगलिक ने आज देवबंद पहुंचकर सीएचसी का औचक निरीक्षण किया। इस दौरान सीएमओ डा. संजीव मांगलिक द्वारा अस्पताल में सफाई व्यवस्था, इमरजेंसी कक्ष, ओटी कक्ष, जच्चा बच्चा वार्ड आदि का जायजा लेने के बाद स्वास्थ्यकर्मियों को उचित दिशा-निर्देश दिए गए। सीएमओ डा. संजीव मांगलिक ने चिकित्सकों की सलाह के बाद महिला अस्पताल के ऑपरेशन थियेटर में छत में नई लाईट शीघ्र लगवाए जाने का आश्वासन दिया। इस दौरान कर्मचारियों ने फर्नीचर संबंधी समस्या से भी अवगत कराया। जिस पर सीएमओ मांगलिक ने कहा कि आवश्यकता संबंधी समस्याओं को शीघ्र पूरा किए जाने का प्रयास किया जाएगा। उन्होंने बताया कि यह उनका रूटीन निरीक्षण था। जिसमें सभी कुछ ठीक-ठाक मिला। बताया कि वह अभी तक चिलकाना, बेहट, रामपुर मनिहारान, नानौता, फतेहपुर और मुजफ्फराबाद सीएचसी का निरीक्षण कर चुके हैं। शेष अन्य अस्पतालों में निरीक्षण किया जाएगा। अस्पतालों में दवाओं का पूरा स्टॉक मौजूद है। डा. मांगलिक ने बताया कि सीएचसी में रिक्त पड़े चिकित्सकों के पदों को भरने की प्रक्रिया शासन द्वारा की जानी है। चुनाव से पूर्व संविदा पर कुछ चिकित्सक भर्ती किए गए थे। उसमें देवबंद सीएचसी को एक चिकित्सक मिल गया है।

मंच ने निर्धनों की आंखों का परीक्षण कराकर उनको चश्मे प्रदान कर एक सच्ची नर सेवा नारायण सेवा का सराहनीय कार्य किया है : मुख्य अतिथि शशि गुगलानी

मानव कल्याण मंच महिला मंडल विंग द्वारा 63 निर्धन व जरूरतमंद लोगों को चश्मे वितरित किए गए

गौरव सिंघल। सिटी चीफ सहारनपुर । देवबंद, देवबंद नगर की प्रतिष्ठित समाज सेवी संस्था मानव कल्याण मंच महिला मंडल विंग द्वारा श्री रामकृष्ण योगाआश्रम इंटर कालेज रेलवे रोड, देवबंद पर आयोजित कार्यक्रम में 63 निर्धन व जरूरतमंद लोगों को चश्मे वितरित किए गए।कार्यक्रम की मुख्य अतिथि श्री मति शशि गुगलानी ने कहा कि आज भी गांव व शहरों की निर्धन आबादी में अधिकतर लोग आंखों की कमजोरी को कोई शारीरिक अक्षमता नहीं समझते हैं और धीरे-धीरे अपनी आंखें खराब करते रहते हैं तथा मंच ने निर्धनों की आंखों का परीक्षण कराकर उनको चश्मे प्रदान कर एक सच्ची नर सेवा नारायण सेवा का सराहनीय कार्य किया है। मंच के संस्थापक अरुण अग्रवाल ने कहा कि निर्धन व अक्षम व्यक्तियों की सेवा करने से बड़ा कोई पुण्य कार्य नहीं है तथा हमने प्रण लिया है कि हम लगातार नर सेवा को ही नारायण सेवा समझकर निर्धनों की सेवा करते रहेंगे। कार्यक्रम की अतिथि श्रीमती रोजी कौर ने मानव कल्याण मंच द्वारा किए जा रहे सेवा कार्यों को ईश्वर की सच्ची सेवा बताया। कार्यक्रम में महिला मंडल अध्यक्षा श्रीमती प्रतिभा जैन ने कहा कि दृष्टिहीन व्यक्ति को चश्मा देना अंधे को लाठी देने के समान है और चश्मा देने के बाद वह व्यक्ति अपनी दैनिक दिनचर्या आसानी से कर सकता है। कार्यक्रम संयोजिका श्रीमति रितु सिंह ने अपने संबोधन में बताया कि समाज में असहाय निर्धन व्यक्ति की सेवा से बढ़कर कोई

सेवा कार्य नहीं है। कार्यक्रम में श्रीमती ममता वर्मा ने कविता के माध्यम से मंच के सेवा कार्यों को अतुलनीय बताया। अतिथि श्रीमती अलका गुप्ता ने कहा कि मानव कल्याण मंच बिना किसी भेदभाव के समाज के सभी वर्गों की सेवा कर रहा है। मंच की महिला मंडल महासचिव श्रीमती पूजा छाबड़ा ने कहा कि मंच की महिला मंडल आगे भी इसी प्रकार से लगातार सेवा कार्य करता रहेगी। कार्यक्रम संचालन राजीव शर्मा ने किया। मानव कल्याण मंच द्वारा श्री रामकृष्ण इंटर कालेज का व अध्यापिका श्रीमती अनीता बंसल का सहयोग के लिए हार्दिक आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम में मुख्य रूप से श्रीमती अलका गुप्ता, कोषाध्यक्ष मीनू शर्मा, पूनम कौशिक, शुभलेश शर्मा, पूनम भटनागर, सुरभि अग्रवाल,अंजलि त्यागी,प्रमोद मित्तल , उपाध्यक्ष राजू सैनी, जितेंद्र कश्यप, राजकुमार जाटव, अमित गर्ग, जितेंद्र कश्यप, यश बंसल, चंद्र प्रकाश गाबा, ओमबीर सिंह, शलभ अग्रवाल, संजीव सिंघल आदि उपस्थित रहे।

ऑल इंडिया दलित एक्शन कमेटी ने विभिन्न समस्याओं को लेकर एसडीएम को सौंपा ज्ञापन

बस स्टैंड पर प्रकाश व्यवस्था, शौचालयों व ओवरब्रिज का निर्माण तथा नालों की सफाई कराने की मांग

गौरव सिंघल। सिटी चीफ सहारनपुर । देवबंद, ऑल इंडिया दलित एक्शन कमेटी ने एसडीएम को ज्ञापन देकर नागल बस स्टैंड पर प्रकाश व्यवस्था, शौचालयों व ओवरब्रिज का निर्माण तथा नालों की सफाई कराने की मांग की है। संगठन के जिलाध्यक्ष सुजीत कुमार के नेतृत्व में सदस्यों ने एसडीएम देवबंद अंकुर वर्मा को ज्ञापन सौंपा। जिसमें बताया गया कि नागल बस स्टैंड पर प्रकाश व्यवस्था न होने से आए दिन रात्रि में अप्रिय घटना होती रहती हैं। 9 दिसंबर 2023 को सडक़ दुर्घटना में तीन लोगों की मौत हो गई थी। शासन-प्रशासन को अवगत कराने के बाद भी समस्या का समाधान नहीं हुआ। जबकि प्रशासन ने 10 दिन का समय दिया था। संगठन ने प्रशासन से बस स्टैंड पर स्ट्रीट लाइट लगवाने, सामुदायिक शौचालयों का निर्माण कराने, ओवरब्रिज बनवाने तथा नालों की सफाई करवाने की मांग की है। साथ ही चेतावनी दी यदि जल्द समस्याओं का समाधान नहीं हुआ तो संगठन आंदोलन को मजबूर होगा। इस दौरान श्रवण पालीवाल, प्रदीप कुमार, हर्षित कुमार, राजीव, आशीष व सूरजपाल आदि मौजूद रहे।

फ्लिपकार्ट की सीजन सेल का आज आखिरी दिन, इन प्रोडक्ट पर मिल रहा बंपर डिस्काउंट

सीजन सेल का आज आखिरी दिन है। ऐसे में यदि आप भी Flipkart के 'बिग सेविंग डे' के आखिरी दिन यदि कोई डिवाइस या प्रोडक्ट खरीदना चाहते हैं तो आपको बंपर डिस्काउंट मिल सकता है। फ्लिपकार्ट सेल में आपको मोबाइल फोन, ईयरबड्स, टीवी, फ्रिज से लेकर वाशिंग मशीन पर अच्छा डिस्काउंट मिल जाएगा। हम यहां आपको कुछ खास प्रोडक्ट के बारे में जानकारी दे रहे हैं, जिन पर आपको भारी डिस्काउंट मिल सकता है।सेल में सैमसंग कंपनी की स्मार्ट टीवी केवल 24,990 रुपए में लिस्ट की गई है। 43 इंच के इस टीवी में कई खास फीचर्स दिए गए हैं। यदि आप 25000 रुपए के बजट में अच्छा टीवी खरीदना चाहते हैं तो यह एक अच्छा विकल्प हो सकता है। इस टीवी को खरीदने पर 3500 रुपए का एक्सचेंज बोनस भी दिया जा रहा है। इसमें नेटफ्लिक्स, प्राइम वीडियो, डिज्नी+हॉटस्टार और यूट्यूब जैसे ऐप्स का सपोर्ट मिलता है।

सोने-चांदी की कीमतों में मामूली तेजी, पढ़ें 24 कैरेट गोल्ड का भाव

भारतीय सर्राफा बाजार में 8 मई 2024 को सोने के भाव में कमी आई है। सोने का भाव 71725 रुपए प्रति 10 ग्राम हो गया है। 7 मई 2024 को सोने के शाम के भाव की तुलना में 57 रुपये ज्यादा है। चांदी के भाव में मामुली तेजी देखी गई है। चांदी का भाव 81663 रुपये प्रति किलो हो गया है। राष्ट्रीय स्तर पर 999 शुद्धता वाले चांदी के भाव में 7 मई से 2 रुपये की तेजी आई है।इंडिया बुलियन एंड ज्वेलर्स के अनुसार 7 मई की शाम को 999 शुद्धता वाले 24 कैरेट सोने की कीमत 71668 रुपये थी। 8 मई को 999 वाले 24 कैरेट सोने की कीमत 71725 रुपये हो गई है। 7 मई की शाम को 999 शुद्धता वाली चांदी की कीमत 81661 रुपये थी। 8 मई को 999 शुद्धता वाली चांदी की कीमत 81663 रुपये हो गई है। 8 मई को 995 शुद्धता वाले सोने की कीमत 71438 रुपये हो गई है। 916 शुद्धता वाले सोने की कीमत 65700 रुपये हो गई है। 750 शुद्धता वाले सोने की कीमत 53794 रुपये हो गई है। 585 शुद्धता वाले सोने की कीमत 41959 रुपये हो गई है। केंद्र सरकार की छुट्टियों और शनिवार और रविवार को रेट जारी नहीं करता है। आपको 22 कैरेट और 18 कैरेट गोल्ड ज्वेलरी का रेट जानना है, तो 8955664433 पर मिस्ड कॉल कसकते हैं। मिस्ट कॉल के कुछ ही समय बाद एसएमएस के जरिए रेट्स मिल जाते हैं।

कई लोगों को मिल रहा इनकम टैक्स का नोटिस, टेंशन न लेकर ये काम करें

इंदौर। इन दिनों कई लोगों को आयकर विभाग की ओर से नोटिस मिल रहे हैं। दरअसल अभी इनकम टैक्स रिटर्न फाइल करने का समय चल रहा है और ऐसे समय टैक्स से बचने के लिए कई कोशिश करते हैं, लेकिन इसके बावजूद की ओर से नोटिस मिल जाता है। ऐसे में लोगों के मन में ये सवाल आता है कि ऐसी परिस्थिति में सबसे पहले क्या करना चाहिए। क्या उन्हें इनकम टैक्स विभाग की ओर से मिले नोटिस का जवाब देना चाहिए या फिर रिटर्न फाइल करना चाहिए। इस बारे में विस्तार से जानकारी दे रहे हैं टैक्स सलाहकार अभिषेक मलतारे।यदि आपको भी इनकम टैक्स विभाग की ओर से नोटिस मिला है तो सबसे पहले आपको यह चेक करना चाहिए कि किन कारणों से आपको नोटिस दिया गया है। दरअसल जब कोई टैक्सपेयर नोटिस का जवाब या फिर गलती को सुधारने के लिए रिटर्न फाइल नहीं करता है, तब विभाग की ओर से जांच के दायरे में आ जाता है। यदि विभाग की ओर से इनकम टैक्स एक्ट की धारा 143(1) के तहत नोटिस दिया जाता है तो परेशान न हो। टैक्स सलाहकार अभिषेक मलतारे के मुताबिक, धारा 143(1) को टैक्स की भाषा में 'लेटर ऑफ इंटीमेशन' कहा जाता है। यदि कोई करदाता रिटर्न फाइल के दौरान ब्याज से जुड़ी कोई जानकारी नहीं देता है तो आयकर विभाग की ओर से इन धारा के तहत नोटिस दिया जाता है। इस धारा के तहत आयकर विभाग आदेश देता है कि *ITR* में जो गलती की है, उसमें तत्काल सुधार कर लें। इसके अलावा यदि करदाता को आयकर विभाग की ओर से धारा 142(1) के तहत नोटिस दिया जाता है तो आयकर विभाग का आदेश देता है कि जल्द से जल्द रिटर्न फाइल करें। इस धारा के तहत नोटिस तब जारी किया जाता है, जब आयकर विभाग को बाकी जानकारी जैसे कैपिटल गेन, ब्याज से होने वाली इनकम आदि के बारे में जानकारी नहीं प्राप्त होती है। टैक्सपेयर सही तरह से अपना ढ्ढञ्जक्र दाखिल कर सके, इसके लिए केंद्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड की ओर से गाइडलाइन भी जारी की है। इस आईटीआर दाखिल करने संबंधित नियमों के बारे में विस्तार से जानकारी दी जाती है। यह गाइडलाइन हर साल जारी की जाती है। इस साल ढ्ढञ्जक्र दाखिल करने की आखिरी तारीख 30 जून 2024 है।

अब आसानी से बदल सकते हैं आप कटे फटे नोट, ये है आरबीआई के नियम

इंदौर। कई बार पैसों के लेनदेन के कारण हमारे पास कटे-फटे नोट आ जाते हैं, जिससे हमें कई तरह की दिक्कतों का सामना करना पड़ता है। ऐसे में यदि आपको भी अपने कटे-फटे पुराने नोट बदलना है तो आरबीआई के नियमों की जानकारी होना चाहिए। ऐसा होने पर आपको अपने कटे फटे पुराने नोट बदलने के लिए किसी भी तरह की चालाकी करने की जरूरत नहीं होगी।कटे-फटे नोट बदलने के लिए रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया ने अप्रैल 2017 में एक गाइडलाइन जारी की थी, जिसके अनुसार यदि एटीएम से कटे-फटे नोट निकलते हैं तो इन्हें बदलने के लिए बैंक बाध्य होगी। बैंक खाताधारक यह काम बैंक में जाकर आसानी से कर सकते हैं। कोई भी बैंक कटे-फटे या गंदे नोटों को बदलने से इनकार नहीं कर सकता है। यदि आपके पास भी कटे-फटे नोट इकट्ठे हो गए हैं तो आपके उस बैंक की ब्रांच में जाना होगा, जिस बैंक की एटीएम ने आपको कटे-फटे नोट मिले हैं। बैंक में आपको नोट बदलने के लिए एक आवेदन देना होगा, जिसमें आवेदन को पैसे निकालने की तारीख, समय और एटीएम के लोकेशन के बारे में जानकारी देना होगी। इसके अलावा पैसे निकालने समय आपको जो स्लिप मिली होगी, उसकी भी एक कॉपी आवेदन के साथ लगाना होगी। यदि किसी कारणवश ट्रांसजेक्शन स्लिप खो गई है तो आप मोबाइल से बैंक की ओर से प्राप्त एसएमएस की डिटेल भी दे सकते हैं। इस आवेदन के बाद बैंक आपके कटे-फटे नोटों को तत्काल बदल देगा। रिजर्व बैंक की गाइडलाइन के मुताबिक, कटे-फटे नोटों को क्रढ्ढ इश्यू ऑफिस और सरकारी बैंकों में ही बदला जा सकता है। प्राइवेट बैंकों की चेस्ट बैंक में भी यह सुविधा उपलब्ध है। आपको बता दें कि चेस्ट ब्रांच दरअसल आरबीआई की ओर से खोली गई अधिकृत ब्रांच होती है, जिन्हें नोटों और सिक्कों के डिस्ट्रीब्यूशन का अधिकार होता है। कटे-फटे नोट का नंबर पैनल ठीक होना चाहिए, तभी नोट बदला जा सकता है। यह नियम 10 रुपए ज्यादा वैल्यू वाली नोटों के लिए ही है। बैंक ग्राहक एक बार में 20 से ज्यादा नोट नहीं बदल सकते हैं। इन 20 नोटों की वैल्यू भी 5,000 रुपये से ज्यादा नहीं होना चाहिए। 5,000 रुपए ज्यादा मूल्य के नोट बदलना चाहते हैं तो इसके लिए बैंक आपसे कुछ चार्ज ले सकता है। कोई नोट जल गया है या पूरी तरह से टुकड़े हो गया है तो ऐसे नोटों को नहीं बदला जाता है।

प्याज-टमाटर और आलू की कीमत बढ़ी, शाकाहारी थाली 8% महंगी; जानें मांसाहारी खाने हाल

नई दिल्ली। प्याज टमाटर व आलू के दाम बढ़ने से शाकाहारी थाली8 फीसदी महंगी हो गई है। क्रिसिल रिपोर्ट के अनुसार, इस साल अप्रैल में शाकाहारी थाली 27.4 रुपये की रही, जो एक साल पहले समान अवधि में 25.40 रुपये थी। इस साल मार्च में 27.3 रुपये रही थी। क्रिसिल की बुधवार को जारी रिपोर्ट के अनुसार, एक साल पहले की तुलना में इस साल अप्रैल में प्याज का भाव 41 फीसदी, टमाटर का 40 फीसदी और आलू का 38 फीसदी बढ़ गया। रबी की फसल खराब होने से प्याज की आवक कम हो गई, जिससे दाम बढ़ गए। पश्चिम बंगाल में भी आलू की फसल खराब हो गई। सब्जियों की कीमत 28 फीसदी बढ़ी है। मांसाहारी ञ्च मांसाहारी थाली अप्रैल में 58.90 रुपये से चार फीसदी सस्ती होकर 56.3 रुपये आ गई है। चिकन की कीमतें सालाना आधार पर 12 फीसदी गिरी हैं। हालांकि, मार्च की तुलना में यह तीन फीसदी महंगी हो गई है।

'सिक लीव' पर गए सभी कर्मचारी टर्मिनेट एअर इंडिया एक्सप्रेस का बड़ा एक्शन

नई दिल्ली- 'सिक लीव' पर गए कर्मचारियों पर एअर इंडिया एक्सप्रेस ने बड़ा एक्शन लिया है. एअर इंडिया एक्सप्रेस ने 'सिक लीव' पर गए कुछ कर्मचारियों को नौकरी से निकाल दिया है और टर्मिनेशन लेटर थमा दिया है. हालांकि, कितने कर्मचारियों को टर्मिनेशन लेटर थमाया गया है, इसकी जानकारी सामने नहीं आई है. दरअसल, मंगलवार को एअर इंडिया के 200 से अधिक केबिन क्रू मेंबर मास सिक लीव पर चले गए थे, जिसकी वजह से बुधवार को 90 से अधिक फ्लाइट्स कैंसल हुई थीं. बताया जा रहा है कि आज यानी गुरुवार को भी एअर इंडिया की फ्लाइट्स कम ही उड़ानें भरेंगी. रिपोर्ट की मानें तो एअर इंडिया एक्सप्रेस ने बुधवार को कुछ सीनियर केबिन क्रू सदस्यों का कॉन्ट्रैक्ट समाप्त कर दिया, जिन्होंने 'बीमार होने' की सूचना दी थी, जिससे कंपनी को उड़ान संचालन में बाधा उत्पन्न हुई थी. ड्यूटी पर नहीं आने वाले कर्मचारियों को नौकरी से निकालने के पीछे के कारण का उल्लेख करते हुए एयरलाइंस ने कहा कि बिना किसी उचित कारण के संबंधित कर्मचारी जानबूझकर काम से दूर हुए. उड़ान भरने से ठीक पहले गायब होने की कोई वजह भी नजर नहीं आ रही है. कंपनी का कहना है कि मास लेवल पर सिक लीव लेना भी नियमों का उल्लंघन है. कंपनी ने टर्मिनेशनल लेटर में क्या कारण दिया अपने एक कर्मचारी को भेजे गए बर्खास्तगी के पत्र में एअरलाइन ने कहा कि उड़ान भरने से ठीक पहले भारी संख्या में एअरलाइन चालक दल के सदस्यों के बीमार होने की सूचना मिली. पत्र में कहा गया है कि यह स्पष्ट रूप से बिना किसी उचित कारण के काम से ठीक पहले उनकी जानबूझकर अनुपस्थिति की ओर इशारा करता है. कंपनी ने अपने कर्मचारियों को लिखे बर्खास्तगी पत्र में कहा, 'आपका कृत्य न केवल सार्वजनिक हित को नुकसान पहुंचाने वाला है, बल्कि इससे कंपनी को शर्मिंदगी, गंभीर प्रतिष्ठा क्षति और गंभीर मौद्रिक नुकसान भी हुआ है.'

खेल

धर्मशाला में आज आमने-सामने होंगे पंजाब और आरसीबी

नई दिल्ली । धर्मशाला के एचपीसीए क्रिकेट स्टेडियम में आईपीएल के रोमांच के बीच आज गुरुवार को मेजबान पंजाब किंग्स और आरसीबी में भिड़ंत होगी। प्लेऑफ में बने रहने के लिए दोनों टीमों को जीत चाहिए। धर्मशाला में इस सीजन का आईपीएल का यह दूसरा मैच है। इससे पूर्व पांच मई को मेजबान पंजाब का मुकाबला चेन्नई के साथ हुआ था जिसमें पंजाब को 28 रनों से शिकस्त मिली थी। वहीं अगर बात प्वांइट टेबल की करें तो इस समय आरसीबी सातवें और पंजाब की टीम आठवें स्थान पर है। दोनों ही टीमों को प्लेऑफ की रेस में बने रहने के लिए यह मैच जीतना जरूरी होगा। हालांकि इन दोनों ही टीमों ने अब तक खेले गए 11 मुकाबलों में चार-चार मैच जीतें हैं, जबकि सात में हार मिली है। बावजूद इसके रन रेट के हिसाब से प्वांइट टेबल मे पंजाब से आरसीबी एक पायदान उपर है। आरसीबी की बात करें तो वह पिछले मैच गुजरात टाइटन्स पर जीत हासिल कर चुकी है। जिसके चलते वह अपने जीत के इस क्रम को जारी रखना चाहेगी। वहीं पंजाब की टीम पिछले मैच में चेन्नई से मिली हार को भूलकर अपने होम ग्राउंड में इस मैच में जीत दर्ज कर अपनी स्थिति को बेहतर करना चाहेगी। कुल मिलाकर यह मैच दोनों ही टीमों के लिए काफी अहम होने वाला है। जो भी टीम इस मैच को जीतेगी, उसका प्लेऑफ में बने रहने के चांन्स बढ़ जाएंगे।

आरसीबी से हिसाब बराबर करने के लिए उतरेगा पंजाब धर्मशाला में गुरुवार को खेले जाने वाले इस मैच में पंजाब की टीम आरसीबी से पिछले मैच में मिली हार का बदला लेने के इरादे से मैदान में उतरेगी। इस सीजन में इन दोनों टीमों के बीच एकमात्र मैच बीते 25 मार्च को आरसीबी के होमग्राउंड में खेला गया था, जिसमे पंजाब को चार विकेट से हार का सामना करना पड़ा था। ऐसे में पंजाब अपनी हार का बदला लेने के जीतोड़ कोशिश करेगा।

मैच से पूर्व दोनों ही टीमों ने जमकर बहाया पसीना वहीं वीरवार को खेले जाने वाले दूसरे मुकाबले से पूर्व बुधवार को दोनों ही टीमों ने जमकर मैदान और नैट पर पसीना बहाया। इससे पूर्व बीते दिन भी देर शाम को दोनों ही टीमों ने खूब अभ्यास किया था।

धर्मशाला सहित मैकलोड़गंज और आस पास के होटल पैक आईपीएल के रोमांच के बीच वीकेंड में तीन छुट्टियां होने के चलते इस मैच को देखने के लिए भी बड़ी संख्या में हिमाचल सहित बाहरी राज्यों से क्रिकेट प्रेमी जुटने वाले हैं। क्रिकेट प्रेमियों और पयर्टकों का धर्मशाला का रूख करने के चलते धर्मशाला सहित मैकलोड़गंज और साथ लगते क्षेत्रों में होटलों में फुल ऑक्यूपेंसी चल रही है। बुधवार शाम तक बड़ी संख्या में पयर्टक और क्रिकेट प्रेमी धर्मशाला पंहुच चुके हैं। सड़कों पर वाहनों की आवाजाही भी बढ़ गई है।

गुरुवार शाम साढ़े सात बजे से शुरू होगा मैच धर्मशाला में खेले जाने वाला मैच शाम साढ़े सात बजे से शुरू होगा। दर्शकों के लिए स्टेडियम के गेट चार बजे तक खोल दिए जाऐंगे। उधर मैच के दौरान सुरक्षा व्यवस्था व ट्रैफिक व्यवस्था को लेकर स्टेडियम और आस पास के क्षेत्रों में करीब 800 जवान तैनात किए गए हैं। एसपी कांगड़ा शालिनी अग्निहोत्री ने बताया कि मैच के दौरान दर्शकों की सुविधा और खिलाड़ियों की सुरक्षा के लिए जवानों की तैनाती कर दी गई है। वहीं अन्य 100 जवानों की तैनाती पर्यटकों की संख्या को देखते हुए पालमपुर और आसपास के क्षेत्रों में भी कर दी गई है।

टी20 क्रिकेट में दूसरी बार सबसे खराब प्रदर्शन, 12 रन पर ढेर हुई टीम

7 बल्लेबाजों का नहीं खुला खाता

टी20 क्रिकेट का ऐसा फॉर्मेट है। जिसमें लगातार बड़े और शर्मनाक रिकॉर्ड बनते हैं। ऐसा ही कुछ जापान और मंगोलिया के बीच खेले गए मैच में देखने को मिला। सानो क्रिकेट स्टेडियम, जापान में खेले गए मुकाबले में मंगोलिया टीम 12 रन पर ढेर हो गई। दरअसल, मंगोलिया टीम जापान के टूर पर है। दोनों टीमों के बीच 8 मई (बुधवार) को दूसरा टी20 मैच खेला गया। जिसमें टी20 क्रिकेट का दूसरे सबसे कम स्कोर बनाने का रिकॉर्ड दर्ज हो गया। जापान ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवर में 217/7 रन बनाए। इसके जवाब में मंगोलिया टीम 12 रन पर सिमट गई।मंगोलिया की तरफ से मोहन विवेकानंदन और नम्सराय बल्लेबाजी करने उतरे। मोहन 0 और नम्सराय 2 पर चलते बने। इसके बाद बल्लेबाज क्रीज पर आते गए और चलते बने। टीम के 7 बल्लेबाज शून्य पर आउट हो गए। टीम की तरफ से तुम सुम्या ने सर्वाधिक 4 रन बनाए। खराब बल्लेबाजी का नतीजा ये रहा कि टीम 8.2 ओवर में 1.44 के रन रेट के साथ 12 रन पर ऑलआउट हो गई। जापान की तरफ से गेंदबाज कजुमा काटो-स्टैफोर्ड ने 5 विकेट चटकाएं। उन्होंने 3.2 ओवरों में 7 रन देकर मंगोलिया के 5 बल्लेबाजों को पवेलियन का रास्ता दिखाया। इसके अलावा अब्दुल समद और माकोतो ने 2-2 विकेट लिए। एक सफलता बेंजामिन को मिली। टी20 क्रिकेट में ये दूसरा सबसे कम स्कोर है। इससे पहले आइल ऑफ मैन स्पेन के खिलाफ 26 फरवरी 2023 को कार्टाजेना में खेले गए मैच में 10 रन पर ऑलआउट हो गई थी। अब दूसरे सबसे कम स्कोर पर मंगोलिया का नाम दर्ज हो चुका है।

24 साल के भारतवंशी अमेरिका में लड़ेंगे चुनाव

3 महीने में जुटाए 2.80 लाख डॉलर, ट्रंप के खास से है मुकाबला

इंटरनेशनल डेस्क - भारतीय मूल के अश्विन रामास्वामी अमेरिका में स्टेट सीनेट का चुनाव लड़ने जा रहे हैं। बताया जा रहा है कि अश्विन पहले भारतीय है जो स्टेट सीनेट का चुनाव लड़ने वाले हैं। अश्विन को %त्नद्गठ्ठ-ॅ%के नाम से भी जाना जाता है। सिर्फ इतना ही, अश्विन रामास्वामी चुनाव लड़ने के लिए अब तक लगभग ढाई करोड़ रुपये की रकम भी जुटा चुके हैं। न्यूज एजेंसी पीटीआई के मुताबिक, अश्विन अभी तक चुनाव प्रचार लिए 2.80 लाख डॉलर जुटा चुके हैं। उन्होंने ये रकम 1 फरवरी से 30 अप्रैल के बीच जुटाई है। वहीं, उनके प्रतिद्वंदी शॉन स्टिल को इससे काफी कम फंड मिला है। रामास्वामी के कैंपेन फाइनेंस के मुताबिक, उन्होंने अब तक कुल 2.80 लाख डॉलर से ज्यादा का फंड जुटा लिया है। इनमें से उनके पास 2.08 लाख डॉलर नकद है। करंसी में ये रकम लगभग ढाई करोड़ होती है. स्टेट सीनेट का चुनाव लड़ने के लिए इतना फंड काफी माना जाता है। अश्विन रामास्वामी डेमोक्रेट से जॉर्जिया के डिस्ट्रिक्ट-48 से स्टेट सीनेट का चुनाव लड़ेंगे। अभी यहां से रिपब्लिकन पार्टी के शॉन स्टिल सांसद हैं। शॉन स्टिल जनवरी 2020 में कैपिटल हिल में हुई हिंसा का आरोप भी है। इस मामले में पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को भी आरोपी बनाया गया है. स्टिल को ट्रंप का खास माना जाता है। डिस्ट्रिक्ट-48 में जॉन्स क्रीक, सुवानी, अल्फारेटा, कमिंग, शुगर हिल और बफोर्ड आता है।

रफा में इजरायल के लगातार जमीनी हमले में 4 माह के बच्चे समेत 30 लोगों की मौत

इंटरनेशनल डेस्क - इजराइल की सेना ने घोषणा की है कि वह गाजा के राफा पर अपना जमीनी हमला जारी रखे हुए है, सोमवार रात को आक्रामक शुरू होने के बाद से लगभग 30 लोगों के हताहत होने की सूचना है। बुधवार को जारी सेना के एक बयान के अनुसार, मरने वालों में 30 आतंकवादी थे, जबकि गाजा स्वास्थ्य अधिकारियों ने लगभग 35 लोगों की मौत की सूचना दी, जिनमें चार महीने का बच्चा भी शामिल था। समाचार एजेंसी सिन्हुआ की रिपोर्ट के अनुसार सेना ने कहा कि एक टैंक डिवीजन और एक बख्तरबंद ब्रिगेड पूर्वी राफा में जमीन पर काम कर रहे हैं, जबकि हमलावर ड्रोन हवा से हमले कर रहे हैं। सेना ने कहा, उन्होंने क्षेत्र में लगभग 100 लक्ष्यों पर हमला किया, जिनमें आतंकवादी बुनियादी ढांचे और संदिग्ध इमारतें शामिल थीं, जहां से हमास लड़ाकों ने इजरायली सैनिकों पर गोलीबारी की थी। इजराइल ने दक्षिणी शहर में बची चार हमास बटालियनों को खत्म करने के अपने लक्ष्य का हवाला देते हुए सोमवार और मंगलवार की रात राफा पर जमीनी हमला किया। सैनिकों ने मंगलवार को राफ़ा क्रॉसिंग के गज़ान पक्ष पर परिचालन नियंत्रण हासिल कर लिया, जो मिस्र से अकालग्रस्त गाजा तक मानवीय सहायता के लिए एक प्रमुख प्रवेश बिंदु था और इसे बंद कर दिया।

पाकिस्तान : सुरक्षा बलों और आंतकियों में मुठभेड़, 5 आतंकी ढेर

नेशनल डेस्क : पाकिस्तान के सुरक्षा बलों ने अफगानिस्तान सीमा से सटे उत्तर पश्चिम क्षेत्र में दो जगह छापेमारी कर बुधवार को छह आतंकवादियों को ढेर कर दिया। सेना ने यह जानकारी दी। फौज ने एक बयान में कहा कि खैबर पख्तूनख्वां के डेरा इस्माइल खान जिले में एक स्थान पर छापेमारी के दौरान पांच आतंकवादियों को ढेर कर दिया। बयान में मृत चरमपंथियों का ब्यौरा नहीं दिया गया है और सिर्फ इतना कहा गया है कि वह सुरक्षा बलों पर पहले हुए हमलों में शामिल थे। वहीं, उत्तर वज़ीरीस्तान में एक अन्य स्थान पर छापेमारी कर एक आतंकवादी को मार गिराया गया। उत्तर वज़ीरिस्तान पाकिस्तान तालिबान का कभी गढ़ रहा था। बयान में मृत आतंकवादी की पहचान नहीं बताई गई है।

ब्रिटेन के प्रधानमंत्री सुनक की पार्टी से एक और सांसद ने किया दल-बदल, लेबर पार्टी में शामिल

इंटरनेशनल डेस्क - ब्रिटेन के प्रधानमंत्री ऋषि सुनक की कंजरवेटिव पार्टी से बुधवार को एक और सांसद ने दल-बदल किया और कहा कि 'टोरी अब अक्षमता और विभाजन का पर्याय बन गए हैं। ब्रिटेन की कंजरवेटिव पार्टी को टोरी नाम से भी जाना जाता है। डोवर से सांसद नताली एलफिस्के ने लेबर पार्टी में शामिल होने के लिए कंजरवेटिव पार्टी छोड़ते हुए, सुनक पर वादे तोड़ने और मुख्य वादे भूलने का आरोप लगाया है। सुनक(43) की पार्टी में पिछले दो हफ्तों में यह दूसरा दल-बदल है। अप्रैल के अंत में कंजरवेटिव सांसद डैन पोल्टर ने पार्टी से नाता तोड़कर लेबर पार्टी में शामिल होने की घोषणा की थी। कुछ दिन पहले तक लेबर पार्टी की कटु आलोचक रहीं एलफिस्के ने अपने इस्तीफे में कहा, ''जब मैं 2019 में चुनी गई, कंजरवेटिव पार्टी ब्रिटेन की राजनीति के केंद्र में थी। पार्टी हमारे देश को आगे ले जाने के लिए भविष्य का निर्माण कर रही थी और अवसर सृजित कर रही थी। उन्होंने कहा, ''तब से, कई चीजें बदल गईं। (उस वक्त प्रधानमंत्री के पद नहीं रहे) ऋषि सुनक के नेतृत्व में किये गए तख्ता पलट में एक निर्वाचित प्रधानमंत्री अपदस्थ हो गए। सुनक के तहत, कंजरवेटिव अक्षमता और विभाजन का पर्याय बन गए हैं। 2019 के चुनावी घोषणा पत्र के वादे को भुला दिया गया।

लैंड करने से पहले कार्गो विमान का नहीं खुला पहिया

पायलट की सूझबूझ से टला बड़ा हादसा

इंटरनेशनल डेस्क - फेडएक्स कंपनी का सामान ले जाने वाला बड़ा विमान (बोइंग 767-300श्वक्र) बुधवार को तुर्की के इस्तांबुल एयरपोर्ट पर उतरते समय हादसे का शिकार हो गया। विमान का आगे का पहिया खुलने में खराबी आ गई थी। यह विमान पेरिस से इस्तांबुल आ रहा था, उसकी फ्लाइट नंबर स्न्रङ्ग6238 थी। गनीमत ये रही कि इस हादसे में कोई घायल नहीं हुआ और ना ही किसी की जान गई। एयरपोर्ट के अधिकारियों के मुताबिक, विमान में कुछ तकनीकी समस्या आई जिसकी वजह से आगे का पहिया बाहर नहीं निकल पाया। हालांकि, विमान ने दो बार उतरने की कोशिश नाकाम रहने के बाद आखिरकार रनवे नंबर 16क्र पर सुरक्षित रूप से उतर गया। इस बाबत मंत्रालय की ओर से भी आधिकारिक बयान जारी किया गया है। मंत्रालय ने अपने बयान में कहा है कि विमान ने पेरिस के हवाई अड्डे से उड़ान भरी थी। बाद में बोइंग 767 की ओर से यातायात नियंत्रण टॉवर को सूचित किया गया कि लैंडिंग गियर खराबी के कारण नहीं खुल रहा है। इसके बाद में टॉवर की ओर से स्टाफ को मार्गदर्शन किया गया। विमान के उतरने से पहले ही एयरपोर्ट के बचाव और अग्निशमन दलों ने हादसे से निपटने की तैयारी पूरी कर ली थी। हालांकि मंत्रालय ने यह नहीं बताया है कि विमान में क्या खराबी थी। सिर्फ यही कहा है कि विमान को सेफ उतार लिया गया। प्लेन में मौजूद सभी यात्री सुरक्षित हैं।

अदालत ने बुशरा बीबी को इमरान के पास अडियाला जेल भेजने का दिया आदेश

इस्लामाबाद - पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान की पत्नी बुशरा बीबी को बड़ी कानूनी जीत मिली है। देश के एक उच्च न्यायालय ने बुधवार को आदेश जारी कर कहा कि बुशरा को अडियाला जेल स्थानांतरित किया जाए, जहां इमरान खान सजा काट रहे हैं। दो मामलों में दोषी ठहराए जाने के बाद बुशरा बीबी को इस्लामाबाद के उपनगरीय इलाके में पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) के संस्थापक खान की हवेली बनिगाला में ही कैद कर दिया गया था, जबकि 71 वर्षीय खान को रावलपिंडी की उच्च सुरक्षा वाली अडियाला जेल में रखा गया है। निजी आवास को ही उप-जेल घोषित किया गया था। बुशरा ने उन्हें बनिगाला में रखने के निर्णय के खिलाफ इस्लामाबाद उच्च न्यायालय (आईएचसी) में याचिका दायर की थी। न्यायमूर्ति मियांगुल हसन औरंगजेब ने पिछले सप्ताह मामले में अपना फैसला सुरक्षित रख लिया था। अदालत ने अपने आदेश में बनिगाला को एक उप-जेल घोषित करने की अधिसूचना को ''अमान्य करार दिया और बुशरा को अडियाला जेल स्थानांतरित करने का आदेश दिया। बुशरा को एक अन्य मामले में सुनवाई के लिए बुधवार को अडियाला जेल ले जाया गया, लेकिन यह स्पष्ट नहीं है कि उन्हें कब जेल में स्थानांतरित किया जाएगा। इस्लामाबाद जवाबदेही अदालत द्वारा तोशाखाना मामले में उन्हें और खान को 14 साल की सजा सुनाए जाने के बाद इस साल 31 जनवरी को बुशरा को गिरफ्तार किया गया था।

चीन के नए रक्षा निर्माण एजेंडे का खुलासा, सभी छात्रों के लिए सैन्य प्रशिक्षण होगा अनिवार्य

बीजिंग: चीन के अगले रक्षा निर्माण एजेंडे का खुलासा होने के बाद दुनिया की टेंशन बढ़ सकती है। इस एजेंडे के तहत चीन से सभी छात्रों के लिए सैन्य प्रशिक्षण अनिवार्य करने का फैसला किया है। चीन इस प्रस्तावित कानून के तहत प्राथमिक विद्यालय के बच्चों में राष्ट्रीय रक्षा के बारे में जागरूकता को बढ़ावा देना चाहता है जिसके लिए उच्च विद्यालयों और विश्वविद्यालयों में सैन्य प्रशिक्षण की आवश्यकता होगी। राष्ट्रीय रक्षा शिक्षा कानून में संशोधन के मसौदे के अनुसार, इसका उद्देश्य समाज के सभी सदस्यों को राष्ट्रीय रक्षा से जुड़े सिद्धांत, ज्ञान और कौशल सिखाना है। 2018 के बाद पहली बार कानून में संशोधन का कदम ताइवान और दक्षिण चीन सागर पर अमेरिका के साथ बढ़ते तनाव के बीच आया है। कुछ विश्वविद्यालयों ने पहले ही छात्रों को गोला-बारूद और टैंकों के साथ प्रशिक्षण की अनुमति दे दी है। इस मसौदे को पिछले महीने के अंत में नेशनल पीपुल्स कांग्रेस की स्थायी समिति द्वारा पहली बार पढ़ा गया था और इसे सार्वजनिक टिप्पणी के लिए खोल दिया गया है।मसौदे में प्राथमिक विद्यालय के बच्चों के बीच कुछ हद तक राष्ट्रीय रक्षा जागरूकता पैदा करने का आह्वान किया गया है। मिडिल स्कूल के छात्रों को बुनियादी ज्ञान और कौशल सीखना होगा, जबकि हाई स्कूल और विश्वविद्यालय के छात्रों को अनिवार्य सैन्य प्रशिक्षण से गुजरना होगा। यह शिक्षा और प्रशिक्षण सरकार और पीपुल्स लिबरेशन आर्मी द्वारा निर्देशित किया जाएगा। इसके तहत स्थानीय सरकारों को अपने बजट में रक्षा शिक्षा लागत को शामिल करने की आवश्यकता होगी। जबकि राज्य एजेंसियों, विश्वविद्यालयों और अन्य संगठनों को कानून के उल्लंघन के लिए जिम्मेदार ठहराया जाएगा। जापान के नेशनल इंस्टीट्यूट फॉर डिफेंस स्टडीज में चीनी विदेश और सुरक्षा नीतियों के विशेषज्ञ मसाफुमी आईडा ने कहा, इसका उद्देश्य जनता को जागरूक करना है कि युद्ध छिड़ सकता है और आपातकाल की स्थिति में उन्हें जुटाना आसान बनाना है। संशोधनों पर विचार-विमर्श स्थायी समिति में जारी रहेगा, जिसकी सैद्धांतिक बैठक हर दो महीने में होती है। यह कानून इस साल की शुरुआत में लागू किया जा सकता है। ताइवान जलडमरूमध्य के पार, चीन के फुज़ियान प्रांत में फ़ूज़ौ विश्वविद्यालय ने जुलाई में एक सैन्य कौशल प्रतियोगिता की मेजबानी की। प्रांत भर से लगभग 500 विश्वविद्यालय के छात्रों ने लक्ष्य निशानेबाजी, हथगोला फेंकने और प्राथमिक चिकित्सा में प्रतिस्पर्धा की। चाइना सेंट्रल टेलीविज़न (सीसीटीवी) ने गुआंग्शी ज़ुआंग स्वायत्त क्षेत्र के एक विश्वविद्यालय में टैंक और बख्तरबंद कर्मियों के वाहक से जुड़े एक अभ्यास की सूचना दी। कुछ स्कूलों में नए छात्रों को कीचड़ में रेंगने या रॉकेट लॉन्चर दागने का अनुभव होता है।

चीन की सरकार ने देश भर के मेडिकल स्कूलों से प्रतिभाओं को आकर्षित करने की भी मांग की है। राष्ट्रपति शी जिनपिंग ने मार्च में चोंगकिंग में आर्मी मेडिकल यूनिवर्सिटी की यात्रा के दौरान छात्रों और कर्मचारियों से युद्ध के मैदान में सेवा करने और विश्व स्तरीय आर्मी मेडिकल स्कूल बनाने के लिए काम करने का आग्रह किया। राष्ट्रीय रक्षा शिक्षा के विस्तार का एक अन्य उद्देश्य तकनीकी प्रतिभा की भर्ती करना है। कृत्रिम बुद्धिमत्ता, रोबोटिक्स और अंतरिक्ष जैसे क्षेत्रों में विशेषज्ञता की काफी मांग है क्योंकि चीन अपनी सेना को आधुनिक बनाने में जुटा है। शी ने मार्च में ऐसे उभरते क्षेत्रों को नामित किया और उनमें सेना की क्षमता को मजबूत करने का आह्वान किया।

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक श्रीमती ज्योती मिश्रा द्वारा कॉम्पेक प्रिंटर्स प्रा. लि. फ्री प्रेस हाउस 3/54, प्रेस कॉम्पलेक्स, ए.बी. रोड, इंदौर से मुद्रित एवं 45ए गुप्ता चैम्बर पहली मंजिल जावरा कंपाउंड इंदौर, (म.प्र.) से प्रकाशित।
प्रधान सम्पादक : अशीष मिश्रा आर.एन.आई. पंजीयन क्रमांक : एमपी/एच/आइएन 2009/34385 फोन नं : 0731-4202569 फैक्स नं : 0731-4202569